समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• जुलाई २०२२ • वर्ष ७३ • अंक ०७
मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

असम के माननीय राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, महामंत्री संजय हरलालका, पूर्वोत्तर के उपाध्यक्ष (मुख्यालय) अरुण अग्रवाल, प्रादेशिक महामंत्री अशोक अग्रवाल सहित कंचन केजरीवाल, दिनेश गुप्ता, संपत मिश्रा, विनोद लोहिया, राज्यपाल महोदय जगदीश मुखी जी, कैलाश काबरा।

पूर्वोत्तर दौरे के दौरान गुवाहाटी में आयोजित सम्मान समारोह में (बायें से दायें ऊपर) रतन अग्रवाल, दिनेश गुप्ता, पवन जाजोदिया, सुशील गोयल, अजीत शर्मा, विनोद लोहिया, डॉ. श्याम सुन्दर हरलालका, गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, संजय हरलालका, अशोक अग्रवाल, प्रदीप भुवालका, सूरज सिंघानिया, अरुण अग्रवाल, उमा शंकर गट्टानी, संपत मिश्रा, संजय खेतान।
(बायें से दायें नीचे) सुरेश बजाज, अशोक कोठारी, प्रमोद स्वामी, नवरतन नागोरी, रमेश चांडक, राजकुमार तिवाड़ी, कैलाश जी लोहिया, रमेश जी गोयनका, कृष्ण कुमार जालान, अशोक अग्रवाल, राम स्वरूप जोशी, विश्वनाथ गोयनका, मधु गोयनका, सरिता लोहिया, सुनीता गुप्ता, कंचन केजरीवाल, सरोज जालान।

इस अंक में :

सम्पादकीय	:	हमारी संस्कृति की धरोहर-रथोत्सव
अध्यक्षीय	:	मारवाड़ी सम्मेलन की प्रासंगिकता
रपट	:	राष्ट्रीय अध्यक्ष का पूर्वोत्तर दौरा
प्रांतीय समाचार	:	पूर्वोत्तर, कर्नाटक, बिहार, उत्कल, पश्चिम बंग, आंध्र प्रदेश
ऋतु-चर्चा	:	आषाढ़ मास

Rungta Office, Nagar Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand- 833201
Email - tmtsales@rungtasteel.com

समाज विकास

◆ जुलाई २०२२ ◆ वर्ष ७३ ◆ अंक ७
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक — पृष्ठ संख्या

- **सम्पादकीय : शिव कुमार लोहिया** ४-५
  हमारी संस्कृति की धरोहर - रथोत्सव
- **अध्यक्षीय : गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ६-७
  मारवाड़ी सम्मेलन की प्रासंगिकता
- **रपट –**
  असम के माननीय राज्यपाल से शिष्टाचार मुलाकात ७
  राष्ट्रीय अध्यक्ष का पूर्वोत्तर दौरा ८-१५
- **प्रादेशिक समाचार**
  पूर्वोत्तर, कर्नाटक, बिहार, उत्कल
  पश्चिम बंग, आंध्र प्रदेश १९-२५
- **संस्कृति –**
  ऋतु - चर्चा - आषाढ़ मास २६-२७
- **देव-स्तुति :** डॉ. जुगल किशोर सर्राफ २८
- **सम्मेलन में नये सदस्यों का स्वागत** २९-३०

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९
पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.in

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा** ◆ **सम्पादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

चिट्ठी आई है

आदरणीय लोहिया जी,

'केवल एक पृथ्वी' जून माह का सम्पादकीय बहुत सुन्दर लिखा गया है, वैदिक श्लोकों से ओत-प्रोत योग एवं पर्यावरण के महत्व को मानव जीवन के लिए अमूल्य है के पक्ष में दिए गए उदाहरण तार्किक हैं। मेघदूत एवं अभिज्ञान शकुन्तलम तक की चर्चा को समाहित किया गया है। आपका कथन प्रकृति हमारे उपयोग के लिए है भोग के लिए नहीं पूरी तरह सही है।

सुंदर एवं सटीक सम्पादकीय के लिए आपका साधुवाद।

– अनिल गाड़ोदिया

विशेष अनुरोध

पाठको से अनुरोध है कि समाज विकास में प्रकाशित रचनाओं एवं अभिव्यक्तियों पर अपनी राय निम्नलिखित ई-मेल में भेजने की कृपा करें। Email ID: editorsamajvikas@gmail.com

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर मद्यपान करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

प्री-वेडिंग शूट हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

हमारी संस्कृति की धरोहर – रथोत्सव

आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष के द्वितीय तिथि को प्रत्येक वर्ष रथयात्रा का त्यौहार मनाया जाता है। यह भारतीय संस्कृति, हमारी आस्था का महत्वपूर्ण प्रतीक है। बहुत पुरानी बात नही है, जब छोटे बच्चे घर-घर में इस त्यौहार का पालन करते थे। पूरे भारत में ही नही पिछले पचास वर्षों से विदेशों के सैकड़ो प्रमुख शहरो मे भी यह पर्व मनाया जाता है। हमारे शास्त्रो एवं पुराणों में भी रथयात्रा के महत्व को स्वीकारा गया है। नारदपुराण, स्कंद पुराण, ब्रह्म पुराण, पद्मपुराण आदि में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा का विवरण मिलता है। एक बहुत ही लोकप्रिय श्लोक जिसमें कहा गया है – रथे तू वामनं द्रस्टवा पुर्नजन्म न विद्यते अर्थात अगर हम रथयात्रा के दौरान रथ पर भगवान का दर्शन करते है, तो हमें पुर्नजन्म नही लेना पड़ेगा। स्कंद पुराण मे भी कहा गया है कि जो व्यक्ति श्री जगन्नाथजी का कीर्तन करता हुआ गुंडीचा नगर तक जाता है, वह पुर्नजन्म से मुक्त हो जाता है। ब्रह्मार्वत पुराण में भी आलेख आता है कि जो व्यक्ति प्रभु के रथयात्रा का अवलोकन करता है एवं प्रभु का स्वागत करने के लिये खड़ा रहता है तो उस व्यक्ति के शरीर से पाप कर्मफल का शुद्धिकरण हो जाता है। भविष्य पुराण में भी इस प्रकार के उल्लेख मिलते हैं। नारद पुराण (उत्तरकांड) में कहा गया है –

प्रतिमम तत्र तम दृष्टवा स्वयं देवे ना निर्मितम
अनायासेना वईयंती भावनम् मे ततो नराऊ।

अर्थात कोई भी व्यक्ति स्वयं प्रभु के निर्मित विग्रहो का दर्शन करता है, वह मेरे निवास का पथ सहज ही पा जायेगा।

मान्यता है कि पाच हजार वर्ष पहले सूर्य ग्रहण के अवसर पर सभी यदुवंशियो ने कुरुक्षेत्र स्थित समन्त पंचक नामक पवित्र तीर्थ पर एकत्रित होने तथा वहा स्नान, उपवास दान आदि करके अपने पापों का प्रायश्चित करने आये थे। कृष्ण, बलराम, सुभद्रा तीनो राजा के रूप में आये थे। उनके साथ उनकी सेनाएँ भी थी। ब्रजवासियों को जब कृष्ण के कुरुक्षेत्र में जाने का समाचार मिला तो वे भी नन्द बाबा के नेतृत्व में आ गये। मगर कृष्ण की राजसी वेशभूषा राधारानी के प्रेम में अवरोधक थी। पुराने दिनो की याद करते हुए गोपियों ने कहा – हे कृष्ण, तुम भी यहाँ हो, हम भी यहाँ है, पर स्थान दूसरा है। हम वृंदावन में नही है। आमने-सामने रहते हुए भी अलगाव की भावना महसूस कर रहे थे। राधारानी बीते समय के भांति कृष्ण के साथ कुंजगलियों में विहार एवं मिलन के लिए लालायित थी। उन्होंने कृष्ण को वृंदावन आने का निमंत्रण दिया, जिसे कृष्ण ने स्वीकार कर लिया। तीनो के रथ के घोड़े वृजवासियो ने खोल दिये एवं घोड़े की जगह स्वयं जुट गये। वृन्दावनवासियों ने कृष्ण को जगन्नाथ बना दिया। आकाश जय जगन्नाथ, जय वलराम, जय सुभद्रा के जय घोष में गुंज उठा। भक्तों को अभूतपूर्व प्रेम देखकर परम भगवान कृष्ण ने कहा – जब तुम मेरे घोड़े (दास) बन ही गये, तो अब तुम मुझे जहाँ चाहे, ले चलो। इस लीला को जगन्नाथ रथ यात्रा के नाम से जाना जाने लगा। इस उत्सव के धार्मिक के साथ अन्य पक्ष भी है, जिसपर विचार करना उचित होगा।

जगन्नाथ का अर्थ है जगत का स्वामी। गच्छति इति जगत - चलायमान विश्व ही जगत है। नक्षत्र गतिशील है, सूर्य गतिशील है, पेड-पौधे खड़े रहते हैं, लेकिन उनमे भी गति हैं। जीव जन्तु जन्म से वाल्यावस्था, युवा, प्रौढ़, वृद्ध अवस्था को प्राप्त करते हुए दृश्य से अदृश्य हो जाते है। संसार में निरंतर गतिशीलता है। इसीलिये इसे जगत कहा गया एवं इस जगत के स्वामी को जगन्नाथ। बलराम – बल एवं राम। बल यानि ताकत, राम यानि रमण या मनोरंजन। वे हमें आनन्दमय जीवन जीने के लिए अध्यात्मिक शक्ति प्रदान करते है। सुभद्रा – सु यानि शुभ एवं भद्रा यानि कुशलमंगल। सुभद्रा, जगन्नाथ एवं बलराम तीनों हमे हमारे जीवन के विभिन्न स्थितियों से उबारने के लिये उपस्थित होते है। इनके तीन रूप मानव जीवन के पहलुओ – विशेषकर सत्व, रज एवं तम का प्रतिनिधित्व करती है। वलभद्र के रथ को तालध्वज कहा जाता है। उसके चौदह पहिए होते हैं। इसे नीले और लाल कपड़े. हल, मकई के गुच्छे एवं पूर्ण कुंभ (घड़ा) से सजाया जाता है। यह रथ रचनात्मक एवं कृषि का प्रतिनिधित्व करता है, जो मानव समृद्धि का मूल है। सुभद्रा का बारह पहियो वाला 'दर्पदलन' रथ मानव जीवन के संतुलित गुणों का प्रतिनिधित्व करता है। बारह महिने के बारह पहिए समय के साथ रचनात्मक को आगे बढ़ाने में मदद करते हैं। भगवान जगन्नाथ के सोलह पहिए वाले 'नंदीघोष' रथ सत्व भाव या पीले कपड़ो से ढके शांत एवं समग्र गुणो का प्रतिनिधित्व करता है। भगवान सोलह कला या मानव जीवन के लिये आवश्यक सोलह गुणों के स्वामी है। नन्दी घोष यानि मंगल कामना। नंदीघोष अर्जुन के रथ का नाम भी था।

रथयात्रा एक अनूठा उदाहरण है जहाँ भगवान अपने भक्तो से मिलने गर्भगृह से बाहर आते हैं। यह त्यौहार उनके अनुगामियों के सभी जाति, धर्म, रंग, पथ के समुहो के मंगल का प्रतीक है। जगन्नाथ के लिये शैव, शाक्त, वैष्णव, आदिवासी, बौद्ध, जैन, मुसलमान, हिन्दु का कोई भेद नही रहता। सभी उस एक सर्वशक्तिमान के बेटे और बेटियां है, जिन्होंने खुद को अलग-अलग रुपो में अपने को प्रकट किया है।

भगवान की इस यात्रा का विशेष लाभ उन्हे होता है, जिन्होंने संसार में रहते-रहते उनका विस्मरण कर दिया है। कुछ लोग ऐसे भी है जिनको किसी कारणवश मंदिर में प्रवेश नहीं मिल पाता। भगवान अति दयालु हैं। गीता में उन्होंने कहा है – सभी जीव मेरे वंशज है – मम वंश जीव लोके जीव भूत सनातन – अपने वंशजों का कल्याण करने वे रथ यात्रा में आते हैं।

रथयात्रा के प्रथम दिन छेरा पहरा का रस्म निभाया जाता है, जिसके अंतर्गत राजा मार्ग की सफाई स्वयं करते हैं। यह परम्परा दर्शाता है कि भगवान की नजरो में हर व्यक्ति समान है चाहे वह राजा हो या आम इंसान। आदि शंकराचार्य ने अपनी पुरी यात्रा के दौरान जगन्नाथ अष्टकम की रचना की थी। उसमें उन्होने स्तुति की थी –

रथारूड़ो गच्छन् पथ मिले भूदेव पटलाः स्तुति
प्रादुर्भावम् प्रतिपद भुपाकर्ण्य सदायः
दया सिन्धुर्वधुः समग्रजगत सिन्धु सुत
जगन्नाथः नयन पथवर्त भवतुमे।

अर्थात जब भगवान जगन्नाथ अपनी रथयात्रा गाड़ी पर होते है और सड़क के किनारे चलते है, तो हर कदम पर प्रार्थना गीत गाये जाते हैं। यात्रा की प्रगति के दौरान वे हर कदम पर स्तुति को सुनते हुए अपने कान खुले रखते है। उनके भजन सुनकर भगवान जगन्नाथ भक्तों के प्रति अति अनुकूल हैं। वे दया के सागर हैं और सारे संसार के सच्चे मित्र है। ऐसे जगन्नाथ स्वामी मेरी दृष्टि के विषय हो।

अगर हम ध्यान से सोचे तो हमे ज्ञान होगा कि उपरोक्त बातो की पुष्टि भगवान ने स्वयं गीता में की है। अनेको जगह उन्होंने कहा है कि प्रत्येक प्राणी में मेरा वास है। सर्व प्रकार के सांसारिक विभेदो से वे परे है। गीता (६-२९, ३०) में उन्होंने कहा है वास्तविक योगी समस्त जीवो में मुझको तथा मुझमें समस्त जीवो को देखता है। जो मुझे सर्वत्र देखता है और सब कुछ मुझमे देखता है, उसके लिये न तो मै कभी अदृश्य होता हूँ और न वह मेरे लिए अदृश्य होता है। गीता (९-२९) में कहते है –

समोहं सर्वभूतेषु न मे द्वेष्याऽस्ति न प्रियः।
ये भजन्ति तु मां भक्त्या मयि ते तेषु चाप्यहम्।।

न तो मैं किसी से द्वेष करता हूँ न मैं किसी के साथ पक्षपात करता हूँ। मैं सबो के लिये समभाव हूँ। किन्तु जो भी भक्तिपूर्वक मेरी सेवा करता है वह मेरा मित्र है, मुझमें स्थित रहता है और मैं भी उसका मित्र हूँ। श्रीमद् भागवत (९/४/६३) में उन्होंने स्पष्ट कहा है –

अहं भक्त पराधीनों ह्यस्वतन्त्र इव द्विज
साधुभिग्रस्तहृदयो भक्तैभर्क्त जनप्रियः।

अर्थात – हे द्विज! मैं सर्वथा भक्तों के अधीन हूँ, स्वतंत्र नहीं। मुझे भक्तजन अतिप्रिय है। उनका मेरे हृदय पर पूर्ण अधिकार हैं।

रामचरित मानस (उत्तरकांड ८५/१-३) में भी कहा है – मै तो हूँ भगतन को दास, भगत मेरे मुकुटमनि।

इस प्रकार हम समझ सकते है कि दया के सागर भगवान जगन्नाथ वचनवद्ध है अपने भक्तों का उद्धार करने के लिये। गीता (१८/६१) में कहा है –

ईश्वरः सर्वभूतानां हृदेशऽर्जुन तिष्ठति।
भ्रामयन्सर्व भूतानि यन्त्रारूढ़ानि मायवा।।

यानि परमेश्वर प्रत्येक जीव के हृदय मे स्थित है और भौतिक शक्ति से निर्मित यन्त्र में सवार की भांति बैठे समस्त जीवो को अपनी माया से घुमा (भरमा) रहे हैं।

रथयात्रा के दिन वे आम लोगो के बीच आते हैं। उनमे से अधिकांश व्यक्ति भगवान को भुले रखे है। माया मे विचरण कर रहे है। प्रभु स्वयं आकर उन्हें स्मरण करवाते है। उन्हे गीता (१८.६६) मे कहे गये वचनो का स्मरण करवाते है :–

सर्वधर्मान्परित्यज्य मामेकं शरणं ब्रज
अहं त्वा सर्व पापेभ्यो मोक्षयिष्यामि मा शुचः।

(समग्र प्रकार के धर्मो का परित्याग करो और मेरी शरण मे आओ। मैं समस्त पापो से तुम्हारा उद्धार करूँगा। चिन्ता मत करो।

प्राणीमात्र को दिये वचनों को याद दिलाने, उनमें भक्तिभाव जागृत करने, उनके जीवन को उच्चता प्रदान करने दयालु भगवान सभी प्रकार के विभेद को दूर करते हुए आम जनता के बीच आकर उन्हे अपना दर्शन देते है। शास्त्रो में जो कहा गया है कि रथ में सवार प्रभु के दर्शन मात्र से ही मनुष्य का उद्धार हो जाता है। इसके पीछे यही अवधारणा है कि मनुष्य सब प्रकार के माया के वंधन को तोड़कर भगवान की भक्ति के अधीन होकर जब प्रभु से कामना करता है कि मुझे अपने शरण में ले लो तो भगवान अपने वचन को निभाते हुए अपने शरण मे ले लेते हैं। भक्त को भगवान से क्या याचना करनी चाहिए, इसका सुंदर वर्णन आदि शंकराचार्य ने अपने जगन्नाथ अष्टकम के एक पद मे लिखा है –

त्वसंसारं दुत्टरमसारं सुरपते हरत्वपनां
वितिम परां यादव पते
अहो दीने ऽ नाथे नेटनो
चरणो ग्लोबलमिदं।

कृपया इस सांसारिक जीवन से मेरा मोह भंग कर दें। सांसारिक जीवन मूल रूप से बेकार है। आप देवों के स्वामी है। कृपया मेरे पापों को दूर करे जो इस सांसारिक जीवन के कारण जमा हुए हैं। मुझे विश्वास है कि आप अपने चरण कमलो में असहाय और दुखी व्यक्तियों को सुरक्षित आश्रय प्रदान करेंगे।

जो व्यक्ति चाहे वह जघन्य से जघन्य कर्म करता हो, भगवान की भक्ति करके उनका भक्त बन जाता है तो भगवान उसे अभय प्रदान करते है। गीता (९.३१) मे भगवान ने कहा है 'क्षिप्रं भवति धर्मात्मा' – वह तुरन्त धर्मात्मा बन जाता है।

इस प्रकार हम समझ सकते हैं रथयात्रा का धार्मिक के साथ-साथ आध्यात्मिक, सर्वजनिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पक्ष है। हम कह सकते है कि यह पूरे भारत में एवं विश्व के अनेक भागों में उत्सव के रूप मे मनाया जाता है। यह हमारे आस्था एवं विश्वास का प्रतीक है। इस आस्था एवं विश्वास को और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता है। यह तभी संभव होगा जब हम इसमे नीहित संदेश को आत्मसात करेंगे।

रथयात्रा के अवसर पर सभी पाठको को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ!

शिव कुमार लोहिया

मारवाड़ी सम्मेलन की प्रासंगिकता

– गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया

समाज के सभी स्नेही बन्धुओं का यथायोग्य अभिनन्दन भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी के रथयात्रा महोत्सव की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ। महामंत्री श्री संजय हरलालका के साथ सम्पन्न हुये पूर्वोत्तर दौरों के दरम्यान उभरे मुख्य बिन्दु:

१. सम्मेलन की प्रासंगिकता:

२. सम्मेलन के प्राथमिक मुद्दे क्या है:

३. समाज में सम्मेलन की स्वीकार्यता:

मैंने इस विषय पर चर्चा सम्मेलन के स्थापनाकाल से शुरु की। सन् १९३५ में कलकत्ता (अब कोलकाता) में सम्मेलन की स्थापना का निर्णय समाज के जागरूक बन्धुओं ने उस समय समाज के समक्ष आई समस्याओं से निवारण करने के लिए किया था। अंग्रेजों का शासन था। उन्होंने देशी रियासतों के प्रवासियों की नागरिकता समाप्त कर दी। इसका अर्थ यह हुआ कि अपनी रियासत के अलावा भारतवर्ष में और कहीं के नागरिक नहीं रहे। विचित्र स्थिति थी की अपने ही देश में हम विदेशी की तरह हो गये। सम्मेलन के माध्यम से हमारे समाज के मनिषियों ने इसका पुरजोर विरोध किया। स्व. घनश्याम दासजी बिड़ला, स्व. जमुनालाल जी बजाज एवं ईश्वर दास जी जालान सहित कई महानुभाव ने आवाज बुलंद की। अंग्रेजी सरकार को अपना वह अध्यादेश वापस लेना पड़ा। यह सम्मेलन की प्रासंगिकता है। कोई भी समस्या कभी भी खड़ी हो सकती है। उस समय समाज छोटा था, तुरन्त में सम्मेलन की स्थापना हो गई। आज समाज चारों तरफ बहुत फैल गया है। अकाल पड़ने पर कुंआ नहीं खोदा जाता है। पहले से सब प्रबन्ध करके रखना चाहिये। प्रवासियों की नागरिकता वाला अध्याय में सफलता मिलने के पश्चात सम्मेलन ने समाज सुधार का कार्य अपने हाथ में लिया। परदा प्रथा हटाना, विधवा विवाह को प्रोत्साहन, बालविवाह पर रोक थाम, दहेज प्रथा को समाप्त करना आदि के निराकरण को अपना मुख्य ध्येय बनाया। आज स्थिति आपके समक्ष है। प्रमुखत: सब समस्याएं अब नहीं है।

समाज की प्रतिनिधि संस्था के रूप में आज सम्मेलन समाज की एकमात्र प्रतिनिधि संस्था है। समाज पर आये हर कष्ट के समय निवारण हेतु सम्मेलन ने उचित एवं सामयिक भूमिका निभाई है। सम्मेलन की प्रासंगिकता पर प्रश्न चिन्ह लगाना, तथ्यों की जानकारी का अभाव कहें या जानबूझ कर आंख बन्द कर लेने जैसा है। चाहे असम में या उड़ीसा में या बंगाल में जब भी समाज पर कुछ लोगों द्वारा इर्ष्यावश आरोप लगे है, सम्मेलन ने आगे बढ़कर इसका विरोध किया एवं समाज के प्रतिनिधि के रूप में सरकार एवं प्रशासन से मिलकर रक्षात्मक उपाय कराये गये हैं। सम्मेलन की भूमिका समाज के रक्षा कवच के रूप में समझी जानी चाहिए।

चर्चा की दूसरी विषय वस्तु है कि सम्मेलन के प्राथमिक मुद्दे क्या हैं।

सम्मेलन समाज का रक्षाकवच है यह उपर वर्णन किया गया है। इसकी भूमिका दमकल (फायर ब्रिगेड) की तरह है जिसकी महता आग लगने पर समझ में आती है, पर सम्मेलन ने तो अपनी महता में अन्य कई उपयोगिताओं को भी शामिल कर लिया है।

समाज में पनप रही विकृतियों और कुरीतियों के निवारण में सम्मेलन ने अहम भूमिका निभाई है। परदा प्रथा का पुरजोर विरोध करके इसको तो एक तरह से समाप्त ही कर दिया। अब तो अनावरण को शालीन आवरण की आवश्यकता अनुभव होने लगी है। विधवा विवाह पहले निषेध था। आज ऐसी कोई निषेधाज्ञा नहीं है। पहले छोटी उम्र में विधवा हुई बालिकाओं को जीवन की लम्बी डगर दूसरों पर आश्रित होकर गुजारनी पड़ती थी। कई ताने और लांक्षन सुनने पड़ते थे। पढ़ी-लिखी रहती नहीं थी कि कुछ करलें। अपमान के आंसू पी-पी कर दिन काटना पड़ता था। आज इससे बड़ी राहत मिली है। बाल विवाह पर रोक लगी है। पर अब तो विवाह की उम्र भी पार होने लगी है। इस पर समाज को विचार करना होगा। कुछ कुरीतियों का समापन हुआ तो और नई-नई विकृतियों का आगमन हो रहा है जिनके साथ भी हमें युद्ध स्तर पर लड़ना होगा। वैवाहिक सम्बन्ध विच्छेद बहुत हो रहे हैं। आपस में सम्बन्ध बनाकर रखने से ही सम्बन्ध में समरसता कायम रह सकती है। ऐसे ही कुछ और समस्याएं हैं जैसे मदिरापान का बढ़ता प्रचलन, सामाजिक आयोजनों में ड्रेस कोड, प्री वेडिंग फोटो शूट, बुजुर्गों के सम्मान में कमी आदि। इन सब पर हमें साथ मिलकर बहुत काम करना होगा।

समाज में उच्च शिक्षा के प्रचार-प्रसार में सम्मेलन काफी काम कर रहा है और उसका रिजल्ट आना भी शुरु हो गया है। आज समाज के लोगों की हर क्षेत्र में अच्छी उपस्थिति है। प्रसन्नता कि बात है कि संघ लोक सेवा में समाज के युवा अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं।

समाज के लोगों को सस्ती और गुणकारी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों इस हेतु भी सम्मेलन की शाखाओं द्वारा जगह-जगह कार्य किए जा रहे हैं तथा पीड़ित एवं जरूरतमन्द लोगों को आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है। कोरोना काल में भी सम्मेलन की शाखाओं ने प्रशंसनीय कार्य किया है। सम्मेलन के केन्द्रीय कार्यालय द्वारा कोरोना काल में नि:शुल्क भोजन की व्यवस्था की गई।

विभिन्न क्षेत्रों में समाज की प्रतिभाओं को निखारने एवं प्रोत्साहित करने का कार्य सम्मेलन कर रहा है। धीरे धीरे समाज की उपस्थिति अब हर क्षेत्र में नजर आने लग गई है।

सम्मेलन ने एक नियोजन विभाग भी खोल रखा है जिसके द्वारा इच्छित प्रार्थियों को उचित स्थान पर नियोजित कराया जाता है।

बाकी अगले पृष्ठ पर

सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष व महामंत्री ने असम के माननीय राज्यपाल से की शिष्टाचारमूलक मुलाकात

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया और महामंत्री संजय हरलालका ने नौ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ असम के राज्यपाल प्रोफेसर जगदीश मुखी से राजभवन में शिष्टाचारमूलक मुलाकात की। राज्यपाल ने सम्मेलन के अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया को माँ कामाख्या के मंदिर का प्रतीक चिन्ह भेंट किया एवं सम्मेलन के प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्यों का फुलाम गोमछा से स्वागत कर 'अतिथि देवो भव' कहावत को चरितार्थ करते हुए सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर असम में मारवाड़ी समाज व संस्कृति के अलावा विभिन्न सामाजिक विषयों पर सौहार्दपूर्ण वातावरण में प्रतिनिधियों के साथ चर्चा भी हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष और महामंत्री राज्यपाल के मिलनसार व सादगी पूर्ण व्यक्तित्व से काफी प्रभावित हुए। इससे पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष ने राज्यपाल को शाल उढ़ाकर गैंडे का प्रतीक चिन्ह भेंट किया। राष्ट्रीय महामंत्री ने उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। प्रांतीय महामंत्री अशोक अग्रवाल ने झापी, प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) अरुण अग्रवाल एवं मंडलीय उपाध्यक्ष कंचन केजरीवाल ने राज्यपाल को फुलाम गमछा पहना कर अभिनंदन किया तथा प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य संपत मिश्र ने असम के मारवाड़ी समाज का इतिहास पुस्तक की प्रति भेंट की। सम्मेलन के वरिष्ठ सदस्य कैलाश काबरा, कामरूप शाखा अध्यक्ष विनोद लोहिया, प्रांतीय संयुक्त मंत्री दिनेश गुप्ता ने गमछा और साहित्य भेंट कर राज्यपाल का अभिवादन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने गत दिनों डिब्रूगढ़ में विनीत बगड़िया खुदकुशी काण्ड पर चिन्ता जाहिर करते हुए ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति पर रोक लगाने हेतु प्रशासनिक कदम उठाये जाने की अपील राज्यपाल से की। इसके पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष व महामंत्री ने सम्मेलन के सदस्यों के साथ कामरूप शाखा द्वारा गोद ली हुई आठगांव चाबीपुल प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण करके शिक्षा के क्षेत्र में कामरूप शाखा के बढ़ते कदमों की सराहना की। राष्ट्रीय अध्यक्ष व महामंत्री ने मारवाड़ी समाज की सबसे बड़ी संस्था गुवाहाटी गौशाला का दौरा भी करके समाज के इस कार्य की भूरी भूरी प्रशंसा की।

अध्यक्षीय शेषांश -

मातृ शक्ति को सबल एवं आत्मनिर्भर बनाना समय की मांग है। पुरुष के साथ नारी बराबरी का दर्जा हासिल कर कंधे से कंधा मिलाकर काम कर सके। सम्मेलन महिला सम्मेलन एवं युवा मंच के साथ मिलकर इस पर बराबर कार्य कर रहा है।

समाज को संगठित करने के लिए संगठन का विस्तार आवश्यक है। हाल के वर्षों में इस ओर हमारा पूरा प्रयास रहा है। आज देश के प्रायः हर प्रान्त में सम्मेलन की शाखा कार्यरत हैं। संगठन में ही शक्ति है। संगठन की आवाज में पूरी ताकत रहती है। "संगठित समाज सशक्त आवाज" हमारा लक्ष्य है कि जहां भी मारवाड़ी बंधु रहते हो वहां सम्मेलन की शाखा हो ताकि एक कड़ी की तरह हम जुड़ सके। निष्कर्ष यही निकलता है कि सम्मेलन समाज के लिये सदा प्रासंगिक और स्वीकार्य रहा है और रहेगा। पूर्वोत्तर दौरे के दरम्यान आत्मीय आतिथ्य एवं संगठन के प्रति समर्पण हेतु पूर्वोत्तर प्रदेशिय मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारियों एवं सभी बंधुओं का आभार व्यक्त करता हूँ।

आप सब स्वस्थ रहें निरोग रहें और खुशहाल रहें यही प्रभु से प्रार्थना है।

जय समाज, जय राष्ट्र!

राष्ट्रीय अध्यक्ष का पूर्वोत्तर दौरा

मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय पदाधिकारियों का आगमन

बरपेटा रोड शाखा की सभा में राष्ट्रीय, प्रांतीय, शाखा के पदाधिकारी सदस्य

मारवाड़ी सम्मेलन बरपेटारोड शाखा एवं मारवाड़ी महिला सम्मेलन शाखा के आतिथ्य में राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन गाड़ोदिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका के आगमन पर एक विशेष सभा आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता प्रांतीय उपाध्यक्ष (मंडल-ज) भैरू कुमार शर्मा ने की। इसमें पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय उपाध्यक्ष मुख्यालय अरुण अग्रवाल, प्रांतीय महामंत्री अशोक अग्रवाल, कामरूप शाखा के अध्यक्ष विनोद लोहिया, मंत्री दिनेश गुप्ता, रमेश चांडक एवं राजकुमार तिवारी, प्रांतीय सलाहकार नागरमल शर्मा, प्रांतीय सहायक मंत्री सरजीत सिंह भारी, सांस्कृतिक व शाखा मंत्री प्रमोद अग्रवाल तथा प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य सीता देवी हरलालका का स्वागत व अभिनंदन किया गया।

विनीत हरलालका ने सभी अतिथियों को मंचासीन करवाया। राष्ट्रीय अध्यक्ष हेतु अभिनंदन-पत्र को शिवरतन राठी तथा महामंत्री हेतु अभिनंदन पत्र को अरुण कुमार जैन जबकि परिचय पाठ सीता देवी हरलालका तथा गोपाल सारडा ने किया। उपरोक्त सभा की उद्देश्य व्याख्या मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा की अध्यक्ष इस्मिता शर्मा ने की तथा अतिथियों का स्वागत हेतु 'स्वागत संबोधन' मारवाड़ी सम्मेलन की बरपेटारोड शाखाध्यक्ष सुरेश कुमार चौधरी ने दिया। अतिथियों हेतु स्वागत गीत शाखा सदस्य शशि बोथरा, अनुराधा माहेश्वरी, सायर बोथरा, ममता जैन द्वारा प्रस्तुत किया। उपरोक्त कार्यक्रम में निचले असम की विभिन्न शाखाओं में बंगाईगांव के अध्यक्ष प्रेमनाथ हरलालका, मंत्री राजेश अग्रवाल, बिलासीपाड़ा से शाखा अध्यक्ष हंसराज सेठिया, शाखा मंत्री श्रवण अग्रवाल तथा अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे। सापटग्राम से समाजसेवी गोविंद अग्रवाल तथा सदस्यगण, बरपेटारोड समाज की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारीगण, विशिष्ट समाजबंधुगणों की उपस्थिति दर्ज की गई। मारवाड़ी समाज की विभिन्न संस्थाओं द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महामंत्री को सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन गाड़ोदिया ने अपने सारगर्भित संबोधन में मारवाड़ी समाज के सभी समाजबंधुओं को मारवाड़ी सम्मेलन से जुड़ने की अपील की तथा उपस्थित सदस्यों द्वारा पूछे गए सामाजिक कुरीतियां तथा ज्वलंत मुद्दों से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देते हुए जिज्ञासा शांत की तथा बरपेटारोड शाखा को सभा के सुंदर आयोजन हेतु धन्यवाद दिया। वहीं राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका ने ऊर्जामयी संबोधन प्रस्तुत करते हुए सम्मेलन की सार्थकता तथा सामाजिक सुधारों के प्रयासों पर प्रकाश डाला। मारवाड़ी सम्मेलन बरपेटारोड शाखा के अध्यक्ष सुरेश चौधरी, जो कि जनप्रतिनिधि के तौर पर वार्ड कमिश्नर का चुनाव जीतने पर उन्हें प्रांतीय एवं राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया। सभी उपस्थित अतिथियों तथा सभा में सम्मिलित व्यक्तियों की धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती अनुराधा महेश्वरी द्वारा दिया गया।

गुवाहाटी दौरा

पूर्वोत्तर प्रादेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के तत्वावधान में सम्मेलन की गुवाहाटी शाखा, कामरूप शाखा व महिला शाखा के आतिथ्य में राष्ट्रीय अध्यक्ष व महामंत्री के अभिनंदन हेतु आयोजित समारोह का संचालन करते हुए मंच संचालक श्री रमेश कुमार चांडक ने मंचापूर्ति करवाते हुये श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री संजय हरलालका, राष्ट्रीय महामंत्री, श्री श्याम सुंदर हरलालका, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, श्री मधुसुदन सीकरिया, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य व निवर्तमान अध्यक्ष, श्री अरुण अग्रवाल, प्रांतीय उपाध्यक्ष, श्री अशोक कुमार अग्रवाल, प्रांतीय महामंत्री, श्री सुशील गोयल, अध्यक्ष, मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा, श्री विनोद कुमार लोहिया, अध्यक्ष, मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा, श्रीमती कंचन केजरीवाल, मण्डलीय उपाध्यक्ष व अध्यक्ष, मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा को ससम्मान मंचासीन करवाया।

सभापति जी श्री अरुण अग्रवाल द्वारा सभा आरंभ की घोषणा के

पश्चात् सभी अतिथियों एवं गणमान्य बंधुओं का स्वागत उद्‌बोधन करते हुए सभा के उद्देश्यों की व्याख्या की तथा सम्मेलन की तीनों ईकाइयों द्वारा किए कोरोना काल में रचनात्मक कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष महोदय का संक्षिप्त परिचय श्री दिनेश गुप्ता ने प्रस्तुत किया, उसके बाद प्रदेश द्वारा अभिनंदन किया गया। श्री पवन जाजोदिया ने राष्ट्रीय महामंत्री महोदय का संक्षिप्त परिचय सदन में वाचन के बाद प्रदेश द्वारा राष्ट्रीय महामंत्री का अभिनंदन किया साथ ही साथ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य का अभिनंदन भी किया गया। स्वागत गीत की शानदार प्रस्तुति महिला शाखा के सदस्यों द्वारा की गयी। गुवाहाटी सम्मेलन शाखा-गुवाहाटी शाखा कामरूप शाखा व महिला शाखा द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष व महामंत्री का अभिनंदन किया गया। इसके पश्चात गुवाहाटी मारवाड़ी समाज की गणमान्य संस्थाओं में श्री अग्रवाल सभा, अग्रवाल चैरीटेबल ट्रस्ट, अग्रवाल युवा परिषद्, श्री मारवाड़ी हिंदी पुस्तकालय, माहेश्वरी सभा, श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा, पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच, मारवाड़ी युवा मंच, गुवाहाटी, अमृत भोग भण्डारा द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष व महामंत्री का अभिनंदन किया गया। इसके पश्चात प्रांतीय निवर्तमान अध्यक्ष श्री मधुसुदन सीकरिया तथा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री श्याम सुंदर हरलालका ने अपने सम्बोधन में राष्ट्रीय पदाधिकारियों के भ्रमण से आने वाले जन जागरण पर अपने विचार व्यक्त किए। राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने अपने संबोधन में बोलचाल में मारवाड़ी भाषा के गिरते ग्राफ पर चिंता व्यक्त करते हुए कम से कम घरों में और सामाजिक कार्यक्रमों में मारवाड़ी भाषा को व्यवहारिक बनाने का आह्वान किया, जिन्होंने अपनी भाषा छोड़ दी, शनै शनै उस समाज की संस्कृति एवं संस्कार से सरोकार की डोर भी छुटती चली गयी। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने अपने संबोधन में मारवाड़ी समाज और सम्मेलन की भागीदारी एवं समाज हित में सम्मेलन के माध्यम से जिम्मेदारी का छोटे-छोटे उदाहरण से साथ प्रस्तुत किया एवं प्रेरणा का संचार किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा प्रांतीय अध्यक्ष व महामंत्री को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र भेंट किया। वहीं हाल ही में सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में पीएचडी से नवाजे गए श्री अशोक धानुका एवं श्री दिनेश गुप्ता का अभिनंदन किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा सदन से जिज्ञासा व सुझाव आमंत्रण पर सदन में सदस्यों ने अपने विचार रखे मंच द्वारा संज्ञान लेने का आश्वासन दिया गया प्रांतीय महामंत्री द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

गुवाहाटी में आयोजित अभिनंदन समारोह एवं उपस्थित गणमान्य समाजगण

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारियों का नगाँव दौरा

नगाँव में सभा मंच पर उपस्थित पदाधिकारीगण

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया व अन्य पदाधिकारियों के पूर्वोत्तर दौरे की कड़ी में मारवाड़ी सम्मेलन नगांव शाखा की एक सभा का आयोजन हनुमान जन्मोत्सव समिति भवन में किया गया। सर्वप्रथम सचिव संजय गाड़ोदिया ने सभी पदाधिकारियों को मंचासीन कराया। मंच पर शाखा अध्यक्ष ललित कोठारी, राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद

गाड़ोदिया, राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष विजय कुमार मंगलुनिया व मधुसूदन सीकरिया, प्रांतीय उपाध्यक्ष मुख्यालय अरुण अग्रवाल, प्रांतीय महामंत्री अशोक अग्रवाल, मंडलीय उपाध्यक्ष अनिल शर्मा, मंडलीय सहायक मंत्री एवं शाखा सचिव संजय कुमार गाड़ोदिया उपस्थित थे। अतिथियों ने द्वीप प्रज्ज्वलन व अध्यक्ष ने स्वागत भाषण दिया। विगत दिनों सम्मेलन के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ओंकारमल अग्रवाल, नगाँव के समाज सेवी ज्योति प्रसाद खदरिया व डिब्रूगढ़ के युवा विनीत बगड़िया, अन्य समाज बंधुओं एवं हाल ही में आई बाढ़ में प्राण गंवाने वालों के निधन पर मौत रखकर श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद सभी अतिथियों का फुलाम गामछा से सम्मान किया गया। मंच पर आसीन सभी पदाधिकारियों के साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ गुवाहाटी से पधारे पदाधिकारीगण दिनेश गुप्ता (प्रांतीय सह सचिव), राज कुमार तिवारी, संपत मिश्रा, कैलाश काबरा, विनोद कुमार लोहिया, श्रीमती कंचन केजड़ीवाल व रमेश चांडक का भी फुलाम गामछा से सम्मान किया गया। इसके पश्चात प्रांतीय उपाध्यक्ष मुख्यालय अरुण अग्रवाल ने सभा को संबोधित किया। सभा के दौरान दसवीं में छठा स्थान प्राप्त करने वाली समाज की बच्ची तेजल अग्रवाल व बारहवीं में आठवां स्थान प्राप्त करने वाली सिमरण सुराना का फुलाम गामछा व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मान किया। प्रशस्ति पत्र का पठन निर्मल आलमपुरिया ने किया। राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका ने सभा को संबोधित किया। इसके साथ ही कुछ दिन पहले सावित्री देवी लोहिया के मरणोपरांत नेत्र दान के लिये उनके पुत्र को भी एक प्रोत्साहन पत्र भेंट किया गया। इस पत्र का पठन लता पारिक ने किया। सभा में अनिल शर्मा के संचालन में राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया का नगाँव की विभिन्न संस्थाओं ने नागरिक अभिनंदन किया। उनका परिचय नितु पोद्दार ने प्रस्तुत किया। सांवरमल खेतावत व सीताराम अग्रवाल ने शाखा की तरफ से उन्हें फुलाम गामछा, बुके तथा प्रतिक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। इस दौरान सम्मेलन की कलियाबर शाखा, होजाई शाखा, चापरमुख शाखा व रोहा शाखा ने भी उनका सम्मान किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपना प्रेरणादायक व ओजस्वी भाषण दिया। शाखा के पूर्व अध्यक्ष मानक चंद नाहट ा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के सम्मुख शाखा की कुछ बातें रखी। शाखा कोषाध्यक्ष अजय मित्तल ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। तत्पश्चात राष्ट ्रीय गान के बाद सभा समाप्ति की घोषणा की गई। शाखा के सह सचिव कमल आलमपुरिया ने एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी।

सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सचिव ने किया गोलाघाट का दौरा, स्वागत से अभिभूत

मारवाड़ी सम्मेलन गोलाघाट एवं अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की गोलाघाट शाखा ने अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका का गोलाघाट में गर्मजोशी से अभिनंदन किया। इस अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष जुगल किशोर मालपानी की अध्यक्षता में एक सभा आयोजित की गई। सभा में कार्यवाहक सचिव प्रदीप अग्रवाल, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य प्रदीप नाउका एवं रमेश कुमार चांडक, प्रांतीय सलाहकर, कैलास काबरा, प्रांतीय मंत्री अशोक अग्रवाल, प्रांतीय उपाध्यक्ष अरूण अग्रवाल, राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया को मंच पर आसन ग्रहण करवाया गया। स्वागत वक्तव्य गोलाघाट मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष जुगल किशोर मालपानी ने दिया।

प्रदीप नाउका द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया तो जगदीश शर्मा द्वारा राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका का संक्षिप्त परिचय सभा को दिया गया। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया का अभिनंदन जुगल किशोर मालपानी और अ.भा. मारवाड़ी महिला सम्मेलन की पूर्वोत्तर अध्यक्ष नमिता जालान ने किया। वहीं राष्ट्रीय महामंत्री हरलालका का अभिनंदन स्थानीय शाखा के कार्यवाहक सचिव प्रदीप अग्रवाल और अ.भा. मारवाड़ी महिला सम्मेलन की पूर्वोत्तर सचिव अनुरेखा बाकलीवाल ने किया। मंच पर आसीन सभी पदाधिकारियों का अभिनंदन असमिया संस्कृति के तहत किया गया। प्रदीप खेतान के संचालन में आयोजित सभा में स्वागत गीत मंजू कनोई, रेखा पटवारी, राजकुमारी बियानी और पिंकी जालान ने प्रस्तुत किया। प्रांतीय उपाध्यक्ष अरुण अग्रवाल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद

गाड़ोदिया के गोलाघाट आगमन पर सभी समाजबंधुओं में उत्साह की सराहना की। उन्होंने कहा कि सम्मेलन एक ऐसा मंच है जहां वर्गीकरण नहीं है और सभी लोग केवल मारवाड़ी है। राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका ने वर्तमान मारवाड़ी समाज के समक्ष विवाह की समस्या, जनसंख्या की समस्या, उच्च शैक्षिक योग्यता के कारण बढ़ती विवाह संबंधित समस्या के बारे में चर्चा की। उन्होंने वर्तमान पारिवारिक संबंधों पर भी चर्चा की और सभी महिला-पुरुष को आत्म विश्लेषण करने को कहा। साथ ही कहा कि अगर आज के दौर के लोग बहू की सही मायने में बेटी समझें और जितनी छूट बेटी को देते हैं, उतनी बहू को दें तो इससे अच्छी बात नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि जहां संस्कार होते हैं वहां गुडविल बनती है और जहां संस्कार नहीं होते वहां कानुनी विल बनती है। उन्होंने सभी से मारवाड़ी में बोलचाल करने का भी अनुरोध किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष गाड़ोदिया स्थानीय समाजबंधुओं की उपस्थिति को देखकर अभिभूत हुए और सराहना की। साथ ही गोलाघाट मारवाड़ी सम्मेलन को शक्तिशाली बनाने हेतु सभी समाज के लोगों से अनुरोध किया। श्री गाड़ोदिया ने कहा कि हम समाज की समस्यायों को दूर करने का हरसंभव प्रयास करेंगे। तत्पश्चात् राष्ट्रीय अध्यक्ष ने स्थानीय समाजबंधुओं के सुझाव और वक्तव्य को बारीकी से सुना। इस मौके पर जगदीश शर्मा, मनोज जालान, सुनील जालान, पवन बाहेती, प्रदीप नाउका, मनीष अग्रवाल, रवि शर्मा, नमिता जालान, अनुरेखा बाकलीवाल और अमित नशोरी ने अपने विचार प्रकट करते हुए कई सकारात्मक सुझाव दिया। इस मौके पर अमित नागोरी का राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया और प्रांतीय उपाध्यक्ष अरुण अग्रवाल ने विशेष रूप से अभिनंदन किया। मालूम हो अमित नागोरी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष और राष्ट्रीय सचिव की जीवनी पर लिखित कविता पदाधिकारियों को भेंट की थी। इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष गाड़ोदिया ने नमिता जालान का और राष्ट्रीय सचिव हरलालका ने अनुरेखा वाकलीवाल का भी अभिनंदन किया। इस मौके पर गोलाघाट मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान अध्यक्ष प्रदीप नाउका के कार्यक्रम में हुए कार्यों की मंच पर आसीन राष्ट्रीय तथा प्रांतीय पदाधिकारियों ने सराहना की। वहीं प्रांतीय मंत्री अशोक अग्रवाल ने भी सभी से मारवाड़ी में बोलने का अनुरोध कर गोलाघाट के आतिथ्य की सराहना की। स्थानीय शाखा की ओर से मनोज जालान ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

मारवाड़ी समाज के सभी घटक संगठन एक छत के नीचे आएँ

मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री का जोरहाट दौरा, कई मुद्दों पर हुई चर्चा

मारवाड़ी समाज के सभी घटकों के संगठनों को एक छतरी के नीचे आना चाहिए। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इतर समाज में हमारी पहचान मारवाड़ी ही है, अन्य नहीं। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने जोरहाट शाखा के आतिथ्य में आयोजित एक सम्मान समारोह में समाज के लोगों को संबोधित करने के दौरान यह बात कही। उन्होंने समाज के सभी लोगों से सम्मेलन से जुड़ने का अनुरोध करते हुए कहा कि समाज का यह सर्वाधिक पुराना व वृहत संगठन है और इसकी एक खासियत यह भी है कि इसमें समाज के विभिन्न घटकों से जुड़े लोगों के बीच कोई वर्गीकरण नहीं है, बल्कि इस संगठन से जुड़े सभी लोगों की एकमात्र पहचान मारवाड़ी है। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी समाज के लोग और इस समाज से जुड़े विभिन्न संगठन बड़े पैमाने पर जनहित के कार्य करते हैं। भवन, धर्मशालाएं, स्कूल, अस्पताल, प्याऊ आदि में सहयोग देते हैं। ऐसे स्थानों पर हम जो भी बैनर लगाते हैं, उनमें संगठन विशेष के नाम के साथ ही यह भी जरूर लिखा जाए कि यह मारवाड़ी समाज की एक संस्था है।

श्री गाड़ोदिया ने कहा कि मारवाड़ी समाज में व्याप्त कुरीतियों पर चर्चा के दौरान दिलीप अग्रवाल ने समाज में घुसपैठ कर चुकी नई कुरीतियों प्रिवेडिंग शूट और बैचलर्स पार्टी का मुद्दा उठाया। इस पर अपने विचार रखते हुए श्री गाड़ोदिया ने कहा कि इस तरह की कुरीतियों से समाज को छुटकारा पाना ही होगा। उन्होंने इस मामले में समाज की जागरुक महिलाओं को आगे आने का अनुरोध किया। अपने संबोधन में सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका ने मारवाड़ी समाज में जनसंख्या की समस्या पर चर्चा करते हुए कहा कि एक बच्चे की धारणा के बलवती होने के कारण समाज में कई रिश्ते समाप्त होने की कगार पर है। उन्होंने समाज में विवाह की समस्या, उच्च शैक्षणिक योग्यता के कारण जोड़ीदार न मिलने की समस्या, वर्तमान में बदलते पारिवारिक संबंध आदि पर अपने विचार रखे और समाज के सभी लोगों से इन बिंदुओं पर गहराई से विचार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बहू को भी बेटी के बराबर छूट दी जाए तभी परिवारों की कई समस्याएं अपने आप समाप्त हो सकती है।

उन्होंने मारवाड़ी बोली को बढ़ावा देने के लिए आपसी बातचीत में मारवाड़ी भाषा का प्रयोग करने का भी सभी से अनुरोध

किया। संस्कार पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि जिन परिवारों में संस्कार होते हैं, वहां गुडविल बनती है। इसके विपरीत जहाँ संस्कार नहीं होते वहाँ कानून के अंतर्गत विल बनती है। पूर्व में यह हमारे समाज के संस्कार कभी नहीं रहे। इससे पूर्व शाखाध्यक्ष अनिल केजड़ीवाल की अध्यक्षता में आयोजित सम्मान समारोह के मंच पर राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका, मंडलीय उपाध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, प्रांतीय मंत्री अशोक अग्रवाल, प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) अरुण अग्रवाल, शाखा मंत्री नागर रतावा को आसीन करा उनका अभिनंदन किया गया। इनके साथ ही अतिथियों के साथ आए प्रांतीय सलाहकार कैलाश काबरा, प्रांतीय कार्यसमिति सदस्य रमेश कुमार चांडक, प्रांतीय सलाहकार बाबुलाल गगड़ का भी शाखा की ओर से सम्मान किया गया।

इस दौरान लेखक ओमप्रकाश गट्टाणी ने स्वलिखित पुस्तकें

अतिथियों को भेंट स्वरूप दी। इस दौरान सम्मेलन की आमगुड़ी, टियोक, शिवसागर, सिमलगुड़ी आदि शाखाओं के साथ ही बड़ी संख्या में मारवाड़ी समाज के संगठनों ने भी अतिथियों का सम्मान किया। सभा में समाज के पुरुषों के साथ ही महिलाओं की सक्रिय उपस्थिति विशेष उल्लेखनीय रही।

डिब्रूगढ़ दौरा

सभा में डिब्रूगढ़ शाखा के पदाधिकारियों और सदस्यों के अलावा बन्दरदोवा शाखा, लखीमपुर महिला शाखा, धेमाजी शाखा, शिलापथार शाखा, मोरान शाखा और तिनसुकिया शाखा के पदाधिकारियों के साथ-साथ डिब्रूगढ़ शहर की कई सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे। श्री शैलेश जैन ने राष्ट्रीय, प्रांतीय एवं शाखा के अध्यक्ष और मंत्री को मंचासीन करवाया। तत्पश्चात श्री बसंत गाड़ोदिया द्वारा स्वागत भाषण तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष और महामंत्री का परिचय रखा गया। आतिथ्य शाखा द्वारा मुख्य अतिथियों को सम्मानित करने के साथ-साथ सम्मेलन के अन्य शाखाओं द्वारा और समाज के अन्य संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया गया। डिब्रूगढ़ शाखा के मंत्री श्री लखी जाजोदिया ने संक्षेप में शाखा का विवरण रखा। राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने अपने अभिभाषण में सम्मेलन का मूल उद्देश्य, इसका लक्ष्य और तात्पर्य वर्णन करने के साथ-साथ मारवाड़ी संस्कृति, मारवाड़ी लोकाचार, मारवाड़ी भाषा को हमेशा उजागर रखने पर विशेष जोर दिया। वहीं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने सम्मेलन के मूलभूत कर्तव्यों को सिर्फ कागजी पन्नों में न रखकर बखूबी कार्यों में रूपान्तरित कर समाज के सभी वर्गों को इससे लाभान्वित होने पर विशेष जोर दिया। इसी कड़ी में प्रांतीय उपाध्यक्ष और प्रांतीय महामंत्री ने भी संक्षेप में अपने अपने विचार रखे। सभा के दौरान मोरान शाखा के श्री विमल अग्रवाल, धेमाजी शाखा के श्री उमेश खंडेलिया, डिब्रूगढ़ के जाने माने साहित्यिक श्री देवी प्रसाद बागरोडिया ने भी अपने विचार सदन के समक्ष रखे। सभापति के आसन से शाखा अध्यक्ष श्री विजय खेमानी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के दौरे में डिब्रूगढ़ के लिए गौरवपूर्ण दिवस बताते हुए अपना वक्तव्य रखा। धन्यवाद प्रस्ताव में प्रांतीय महामंत्री श्री अशोक कुमार अग्रवाल ने सभा में उपस्थित सभी को धन्यवाद ज्ञापन किया, इसके साथ ही डिब्रूगढ़ शाखा की तरफ से श्री राजकुमार अग्रवाला ने भी शाखा की ओर से राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों, सभा में पधारे विभिन्न शाखा के पदाधिकारियों एवं डिब्रूगढ़ समाज की सामाजिक संस्थाओं के साथ-साथ सभा में उपस्थित सभी समाज बंधुओं को धन्यवाद ज्ञापन दिया।

दिवंगत विनीत बगड़िया के शोकाकुल पिता से मुलाकात

डिब्रूगढ़ में बदमाशों की धमकी से आतंकित होकर आत्महत्या करने वाले ३२ वर्षीय विनीत बगड़िया के घर जाकर राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में सम्मेलन के प्रतिनिधि मंडल ने दिवंगत के पिता से मुलाकात की और घटना पर गहरा दुःख प्रकट किया। दिवंगत के पिता ने सम्मेलन से ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, ऐसे प्रयासों की आवश्यकता जताई। श्री गाड़ोदिया ने असम के राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी से मुलाकात के दौरान इस प्रसंग से उनको अवगत कराने की जानकारी दी।

डिब्रूगढ़ में बदमाशों की धमकी से आतंकित होकर खुदकुशी करने वाले ३२ वर्षीय विनीत बगड़िया के पिता से बातचीत कर घटना की जानकारी लेते राष्ट्रीय अध्यक्ष

नई शाखा डिमापुर का उद्घाटन

डिमापुर में एक सभा का आयोजन किया गया जहाँ व्यवसाय का मुख्य समय होते हुए भी बड़ी संख्या में समाज बंधुओं की उपस्थिति थी। सभा संचालन करते हुए श्री वासु दम्मानी ने सभापतित्व के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, प्रांतीय महामंत्री श्री अशोक कुमार अग्रवाल, श्री ओमप्रकाश सेठी, श्री रमेश कुमार चांडक एवं प्रांतीय सलाहकार श्री कैलाश काबरा, को ससम्मान मंचासीन करवाया। श्री वासु दम्मानी द्वारा स्वागत उद्बोधन के पश्चात सभी अतिथियों का नागालैंड के पारंपरिक नागा आई शाल ओढ़ाकर अभिनंदन किया गया। समारोह की अध्यक्षता कर रहे श्री ओमप्रकाश सेठी ने अपने सम्बोधन में डिमापुर मारवाड़ी समाज के कार्यकलापों एवं एकजूटता से कार्य कर यहाँ के स्थानीय समाज एवं सरकार में सुयश अर्जित करते हुए आर्थिक रूप से राज्य को संबल बनाने की बातें रखी। श्री वासु दम्मानी ने अपने सम्बोधन में मारवाड़ी युवा मंच के शाखा अध्यक्ष राकेश कोचर ने सदन का परिचय करवाया तथा आज सम्मेलन की डिमापुर शाखा के विधिवत गठन की बात सदन में रखी। अध्यक्ष द्वारा युवा मंच के अध्यक्ष श्री राकेश कोचर को अपने विचार सदन में रखने के आह्वान पर उन्होंने सम्मेलन की शाखा गठित होने पर खुशी जताते हुए युवाओं की पूर्ण भागीदारी की बात रखी। प्रांतीय महामंत्री श्री अशोक कुमार अग्रवाल ने डिमापुर मारवाड़ी समाज के कार्यों की सराहना करते हुए सभी से मारवाड़ी सम्मेलन से जुड़ने का आह्वान किया। प्रांत की ओर से डिमापुर के राजनैतिक क्षेत्र में अवदान देने वाले समाज बंधुओं तथा निरंतरता से रक्तदान कर समाज के सामने उदाहरण प्रस्तुत करने वाले युवाओं का राष्ट्रीय अध्यक्ष के हाथों से अभिनंदन करवाया गया। संचालनकर्ता श्री वासु दम्मानी ने अति शीघ्र डिमापुर में सम्मेलन की महिला शाखा खोलने का आश्वासन देते हुए श्रीमती निता अग्रवाल को सदन को संबोधित करने का आग्रह किया। श्रीमती अग्रवाल ने महिला संगठन की आवश्कता क्यों है पर उदाहरण देते हुए अलग-अलग समाज की महिला शाखाओं को एक मंच पर आपस में जोड़ने का मौका मिलेगा, जिससे मारवाड़ी समाज में आपसी प्रेम, प्यार और जुड़ाव बढ़ेगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में नागालैंड समाज की विविधता में एकता, आपसी प्रेम प्यार और सौहार्द के साथ आपसी जुड़ाव को देख सुखद आश्चर्य व्यक्त करते हुए यहाँ का मारवाड़ी समाज किसी से कम नहीं है, आवश्यकता है स्थानीय के साथ राष्ट्रीय जुड़ाव की उन्होंने कहा यहाँ कुछ भी कहे तो जबाब मिलता है - हो जायेगा। युवा मंच खुल गया, सम्मेलन आज गठीत हो रहा

है महिला संगठन खोलने जा रहे हैं। ऐसे में मैं इनसे आशा करता हूँ। मणिपुर में सम्मेलन की कोई शाखा नहीं है आप इम्फाल में शाखा खोलने में सहयोग करें। प्रत्युत्तर में श्री ओम प्रकाश सेठी व श्री वासु दम्मानी ने खोलने की जिम्मेदारी उठाई। राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा समाज एवं संगठन के कर्तव्यों के साथ समाज की संस्कृति एवं संस्कार को आगे आने वाली पीढ़ी तक पहुँचाने का अनुरोध किया तथा उदाहरण के साथ बोलचाल में मारवाड़ी भाषा के प्रयोग से इसके बचाव के उदाहरण के उदाहरण रखें। उन्होने स्थानीय समाज के कार्य को सराहा तथा एकमभाव से कार्य परिणीत करने पर जोर दिया। इसके पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा सम्मेलन के अध्यक्ष के रूप में श्री ओम प्रकाश सेठी व मंत्री के रूप में श्री वासु दम्मानी को पद के दायित्व की शपथ ग्रहण करवा कर बधाईयाँ दी। नव निर्वाचित अध्यक्ष एवं मंत्री ने कार्यकारिणी सदस्यों को शपथग्रहण करवा कर विधिवत शाखा का शुभारंभ किया शाखा की ओर से सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

इतिहास के पन्नों में १६ जुलाई: ऊंची जाति की विधवाओं का १६६ साल पहले मिली पुनर्विवाह की अनुमति

देश-दुनिया के इतिहास में १६ जुलाई का एक अहम स्थान है। समाज सुधार आंदोलनों के इतिहास में १६६ साल पहले एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में १६ जुलाई को भारतीय इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज करा दिया। १६ जुलाई, १८५६ को समाज सुधारकों के अथक प्रयास से देश में ऊंची जाति की विधवाओं को पुनर्विवाह करने की अनुमति मिली। इससे पहले हिंदुओं में ऊंची जाति की विधवाएं दोबारा विवाह नहीं कर सकती थीं। तत्कालीन ब्रितानी सरकार से इस कानून को लागू करवाने में समाजसेवी ईश्वरचंद विद्यासागर का बड़ा योगदान रहा। उन्होंने विधवा विवाह को हिंदुओं के बीच प्रचलित करने के लिए अपने बेटे का विवाह भी एक विधवा से कराया था।

मारवाड़ी अस्पताल में किया गया सम्मान समारोह का आयोजन

आठगांव स्थित मारवाड़ी अस्पताल के सौजन्य से अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया और महामंत्री संजय हरलालका के सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मारवाड़ी अस्पताल के प्रेक्षागृह में अस्पताल के अध्यक्ष रमेश गोयनका की अध्यक्षता में आयोजित इस सम्मान समारोह में मंच पर अस्पताल के उपाध्यक्ष कैलाश लोहिया, निवर्तमान अध्यक्ष शरद जैन, सचिव आरएस जोशी एवं मुख्य अतिथि के रूप में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका मंचासीन थे। अस्पताल के अध्यक्ष गोयनका ने स्वागत भाषण देते हुए अस्पताल के अतीत से लेकर वर्तमान तक के इतिहास के बारे में मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि को अवगत कराया। समारोह में अध्यक्ष गोयनका ने राष्ट्रीय अध्यक्ष गाड़ोदिया को झापी, फुलाम गामछा और वृक्षारोपण के लिए वृक्ष का गमला भेंट किया एवं वृक्षारोपण का प्रमाण पत्र भी प्रदान किया। उपाध्यक्ष कैलाश लोहिया ने राष्ट्रीय महामंत्री श्री हरलालका को फुलाम गामछा व वृक्ष का गमला प्रदान कर उनका स्वागत किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष गाड़ोदिया ने अपने संबोधन में कहा कि कोरोना काल में अस्पताल ने जो सेवा की है वह प्रशंसनीय है। मारवाड़ी समाज के रक्त में ही समाज सेवा घुली हुई है। समाज जो निश्चय कर लेता है उसे पूरा कर लेता है।

राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका ने कहा कि अस्पताल की व्यवस्था, स्वच्छता व संचालन का तरीका देखकर मैं काफी प्रभावित हुआ हूँ। कार्यक्रम का संचालन रामस्वरूप खाखोलिया ने किया। अस्पताल के सचिव आरएस जोशी के धन्यवाद के साथ सम्मान सत्र का समापन किया गया।

आभार

संजय हरलालका
राष्ट्रीय महामंत्री,
अभामास

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसादजी गाड़ोदिया के साथ मेरे पूर्वोत्तर दौरे के दरम्यान हुए आत्मीय आतिथ्य से मैं अभिभूत हूँ।

गुवाहाटी, बरपेटा रोड, नगाँव, जोरहाट, मोरानहाट, डिब्रूगढ़ व दीमापुर में समाज बंधुओं से मिलने एवं व्यापक चर्चा का सुखद अवसर मिला। युवा मंच एवं महिला सम्मेलन की उपस्थिति भी उत्साह वर्धक थी, जिन शाखाओं तक हम नहीं जा पाए वहाँ के समाज बंधुओं ने अपनी नजदीक की शाखाओं में आकर भाग लिया। मानसून की वजह से असम में मौसम की प्रतिकूलता के बावजूद समाज बंधुओं के उत्साह को नमन करता हूँ।

गुवाहाटी में माँ कामाख्या, काजीरंगा स्थित बुढ़िया माई, नगाँव के पास निर्मित सबसे ऊँचे शिव मंदिर सहित डिब्रूगढ़ में भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी के भव्य मंदिर के दर्शन का लाभ भी मिला।

कामरूप शाखा द्वारा संचालित गौशाला समाज की सेवा भावना की द्योतक है।

मानवता की सेवा में लगी हुई गुवाहाटी स्थित आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित मारवाड़ी हॉस्पिटल किसी भी कार्पोरेट हॉस्पिटल से कम नहीं है।

असम के राज्यपाल महामहिम श्री जगदीश जी मुखी से सभी विषयों पर सार्थक चर्चा हुई, उनकी शालीनता एवं समाज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण सराहनीय है।

पूर्वोत्तर के अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश जी खंडेलवाल निजी कारणों से अनुपस्थित थे लेकिन हमेशा सुबह शाम निरन्तर संपर्क में रहते थे। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री श्याम सुन्दर जी हरलालका, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री मधुसूदन जी सीकरिया, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री विजय कुमार जी मंगलुनिया, पूर्व प्रांतीय महामंत्री श्री राजकुमार जी तिवारी, प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री अरुण कुमार जी अग्रवाल, प्रांतीय महामंत्री श्री अशोक कुमार जी अग्रवाल, श्री कैलाश जी काबरा, श्री रमेश जी गोयनका, श्री कैलाश जी लोहिया, श्री कृष्ण कुमार जी जालान, टूर कॉर्डिनेटर श्री दिनेश गुप्ता जी, श्री बिनोद लोहिया जी, श्री रमेश जी चांडक, श्री सम्पत जी मिश्रा, श्री बिमल जी अग्रवाल, श्री विजय जी खेमानी, श्री ओम प्रकाशजी सेठी, श्री बासु जी दम्मानी सहित सभी शाखाओं के अध्यक्ष, महामंत्री तथा बंधुओं का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

सादर-

राष्ट्रीय अध्यक्ष के दौरे की झलकियाँ

कामरूप शाखा द्वारा राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका का अभिनंदन

गुवाहाटी एवं अन्य शाखाओं के अभिनंदन समारोह में उपस्थित सम्मेलन के सदस्यगण

नगाँव शाखा के महिला सदस्यों के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका

जोरहाट में राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया का अभिनंदन करते चेचल कुंडलिया

गौशाला में स्थानीय पदाधिकारियों एवं समाज बंधुओं के साथ

पूर्वोत्तर प्रांत की नगाँव शाखा में राष्ट्रीय, प्रांतीय एवं शाखा के पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन

जगन्नाथ मंदिर डिब्रूगढ़ में गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, संजय हरलालका, अरुण अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, विजय कुमार मैंगलुनिया, कैलाश काबरा व अन्य।

दौरे की समाप्ति पर प्रसन्न मुद्रा में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया से विदा लेते हुए प्रांतीय महामंत्री श्री अशोक कुमार अग्रवाल

COMPLETE ELECTRICAL SOLUTION
ELECTRICAL WIRES
FANS AND LIGHTS
LT PANEL, CABLE TRAY AND TRANSFORMER
WE MANUFACTURE
POWER TRANSFORMER
DISTRIBUTION TRANSFORMER
LT ELECTRICAL PANEL
PERFORATED CABLE TRAY
LADDER-TYPE CABLE TRAY
GARODIA ENTERPRISES
AARNAV POWERTECH
MARKET ROAD EAST, UPPER BAZAR
RANCHI - 834 001, JHARKHAND
www.aarnavpowertech.com
garodia@garodiagroup.com
0651-2205996

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**
- **Radiology**
  - MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
  - Ultrasonography | - Colour Doppler Study
- **Cardiology**
  - ECG | - Echo-Cardiography
  - Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
  - Treadmill Test (TMT)
- **Wide Range of Pathology**
- **Pulmonary Function Test**
- **UGI Endoscopy / Colonoscopy**
- **Physiotherapy**
- **EEC / EMG / NCV**
- **General & Cosmetic Dentistry**
- **Elder Care Service**
- **Sleep Study (PSG)**
- **EYE / ENT Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Haematolgy Clinic**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Health Check-up Packages**
- **Online Reporting**
- **Report Delivery**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

Yours Tastefully
Anmol
हर पल अनमोल
हर घर अनमोल
www.anmolindustries.com | Follow us on:

बरपेटा रोड महिला शाखा द्वारा योग दिवस

राधा कृष्ण ठाकुरबाड़ी में मारवाड़ी सम्मेलन बरपेटा रोड महिला शाखा द्वारा योग दिवस का पालन किया गया। प्रमाणित प्रशिक्षक दुर्गा शराफ ने बहुत ही सुंदर तरीके से योगासन कराया। हमारी शाखा के सदस्यों के अलावा समाज के अन्य महिलाएं एवं बच्चे भी शामिल थे। प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य सीता देवी हरलालका शाखा अध्यक्ष इंस्मिता शर्मा, उपाध्यक्ष सविता जाजोदिया, सचिव कविता खेमका सदस्य अंजू सराफ, कांता खेतावत, रिंकू खेमका एवं समाज की महिलाओं और बच्चों की उपस्थिति में आज का कार्यक्रम सफल रहा।

सम्मेलन की कामरूप शाखा ने बाढ़ राहत सामग्री प्रदान की

मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा के बाढ़ पीड़ित राहत दल को प्रांतीय अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश खंडेलवाल ने राहत सामग्री के साथ नलबाड़ी इलाके के लिए रवाना किया। उन्होंने प्राकृतिक आपदा की इस घड़ी में कामरूप शाखा के इस प्रकल्प के निर्णय की सराहना करते हुए वक्त की जरूरत बताया। मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा ने नलबाड़ी जिले के बाँहजनी इलाके के हेलामरी गांव में राशन के १०० थैले एवं पशुओं के लिए ४० किलो के २५ बस्ते चापड़ का वितरण किया। बाँहजनी के ही भेलाघाट गांव में राशन के ५० थैले, नलबाड़ी के २ नंबर बालीतारा गांव में राशन के ६२, थैले व सताईबारी गांव में राशन के ८८ थैले जरूरतमंदों को वितरण किए गए। प्रत्येक थैले में ७.५ किलो राशन, माचिस, मोमबती, मच्छर भगाने की कॉइल की एक पैकेट तथा एक लीटर की पीने के पानी की बोतल डाली गई थी। थैले पर शाखा का लोगो व नाम असमिया भाषा में प्रिंट किया गया था। अध्यक्ष बिनोद कुमार लोहिया के नेतृत्य में वितरण करने वाले दल में पूर्व अध्यक्ष पवन जाजोदिया, उपाध्यक्ष अजित शर्मा, सुजीत बखरेडिया, कार्यकारिणी सदस्य संजय खेतान, पूर्व उपाध्यक्ष बिजय भीमसरिया, सदस्य प्रभु दयाल जैन, रतन अगरवाला सीए, रतन अगरवाला, संजय धिरिया, सरिता लोहिया, नीलम जाजोदिया, नीतू बखरेडिया, अतिथि सदस्य पराग लोहिया और विनीता भीमसरिया शामिल रहे। निवर्तमान अध्यक्ष निरंजन सिकरिया का मार्गदर्शन और प्रभुदयाल जैन का एक दिन में सारे सामान की खरीददारी एवं पैकिंग के रूप में उल्लेखनीय सहयोग रहा।

चापरमुख शाखा द्वारा बाढ़ पीड़ितों को तिरपाल वितरण

मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा के तत्वावधान और चापरमुख शाखा के सहयोग से चापरमुख क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र मारवाड़ी पट्टी, मागुरगांव, नेलीपार, बरुवावाली और टुकलाटुप के १०५ बाढ़ पीड़ितों के बीच तिरपाल वितरण किया गया। इस तिरपाल वितरण कार्यक्रम में चापरमुख शाखा मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष सीताराम अग्रवाला, सचिव गौरीशंकर अग्रवाला, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाला, सदस्य विनोद अग्रवाला और विकास अग्रवाला उपस्थित थे।

भूल सुधार

समाज विकास जून २०२२ के अंक में तमिलनाडु प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री का प्रकाशित समाचार, कृपया नीचे सुधार कर पढ़े।

— सम्पादक

बधाई !

तमिलनाडु प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के राज्य परिषद बैठक में श्री मुरारी लाल सोंथलिया जी को तमिलनाडु प्रांत के महामंत्री पद के लिये चुना गया। सम्मेलन परिवार की ओर से आपको हार्दिक बधाई।

योग दिवस पर पांच दिवसीय योग व प्राकृतिक चिकित्सा शिविर सम्पन्न

स्थानीय दादी धाम प्रचार समिति, मारवाड़ी सम्मेलन कर्नाटक तथा मानव योग फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में पांच दिवसीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का आयोजन १७ जून २०२२ शुक्रवार से शुरू हुआ एवं समापन २१ जून २०२२, मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर हुआ। समिति के अध्यक्ष एवं मारवाड़ी सम्मेलन कर्नाटक के प्रान्तीय महासचिव शिवकुमार टेकड़ीवाल, मानव योग फाउण्डेशन के संस्थापक योग गुरु मानव रामनिवास, सचिव संजय चौधरी, गोपाल लाठ, विश्वनाथ चौधरी, रामसुंदर बगड़िया, सन्तोष टेकड़ीवाल ने दादीजी के चित्र के समक्ष दीप उज्वलि कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। रामनिवास योगगुरु ने ९० मिनट की क्लास में प्राणायाम एवं प्राकृतिक चिकित्सा के बारे में विशेष रूप से बताते हुए बताया कि अच्छा आहार ही अच्छा जीवन बना सकता है। शिवकुमार ने योगगुरु के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बताया कि इस ५ दिवसीय शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने योग, आसन, प्राणायाम एवं प्राकृतिक चिकित्सा के विषय की जानकारी प्राप्त की। योगगुरु रामनिवास मानव ने अपने सम्बोधन में आयोजक समिति का धन्यवाद किया। योगगुरु का सम्मान मारवाड़ी सम्मेलन के उपाध्यक्ष रमेश भाऊवाला, दादी धाम के उपाध्यक्ष गंगाधर मोर एवं अनिल शर्मा ने किया।

राजगढ़ सादुलपुर नागरिक परिषद के अध्यक्ष प्रभात किशनपुरिया ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे जीवन का अंग बनाने पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में विनोद जगनानी, अनिल सिंघानिया, आत्माराम बिश्नोई, सुरेश शर्मा, हरिनारायण स्वामी आदि

अनेक लोग उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन सचिव संजय चौधरी ने दिया। मंच संचालन डाक्टर सुनील तरुण ने किया।

कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न

३० जून २०२२ को मारवाड़ी सम्मेलन कर्नाटक के कार्यकारिणी सदस्यों की एक साधारण सभा समिति के वरिष्ठ सदस्य सीताराम अग्रवाल के निवास पर सम्पन्न हुई। सर्वप्रथम प्रान्तीय अध्यक्ष सुभाष अग्रवाल ने आए हुए सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए बताया सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक आगामी ४ सितम्बर को हरियाणा भवन में होगी। बेंगलूरु शाखा के अध्यक्ष अरुण खेमका ने बताया की इस बैठक में देश भर से सम्मेलन के सदस्य बड़ी संख्या में भाग लेंगे। इस अवसर पर सीताराम अग्रवाल, रमेश मेरठिया, इश्वर अग्रवाल, रमेश भाऊवाला, जया चौधरी, ममता झाझरिया ने अपने विचार रखे। प्रान्तीय महासचिव शिवकुमार टेकड़ीवाल ने आभार प्रकट करते हुए बताया की बैठक ४ सितम्बर को सुबह ११ बजे शुरू होगी एवं शाम को उसी स्थान पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसमें स्थानीय लोग बड़ी संख्या में भाग लेंगे। इस बैठक में ओम प्रकाश पोद्दार, प्रकाश चौधरी, शिवरतन अग्रवाल, गंगाधर मोर, सुरेश जालान और संजय चौधरी सहित अन्य सदस्य तैयारी में लगे हैं।

प्रादेशिक बैठक और सम्मान समारोहों का दौर, संगठन यात्राओं पर भी रहा पूरा जोर

बिहार प्रांत में शाखाओं को सजग और सक्रिय बनाए रखने के लिए संगठन यात्राओं का दौर निरंतर जारी है। इस माह मुजफ्फरपुर, दरभंगा, निर्मली, छातापुर, जदिया, त्रिवेणीगंज, करजाइन, प्रतापगंज, गणपत, राघोपुर और सिमराही शाखाओं की संगठन यात्रा संपन्न की गई। इसके अतिरिक्त जानकारी मिलने पर भारत नेपाल की सीमा पर स्थित एक नए स्थान वीरपुर का भी भ्रमण किया गया।

सभी जगह सदस्यों एवं समाज बंधुओं ने उपस्थित होकर सम्मेलन के द्वारा संचालित कार्यक्रमों, गतिविधियों और योजनाओं की जानकारी प्राप्त की एवं अपनी अपेक्षाओं और सुझावों से प्रादेशिक पदाधिकारियों को अवगत कराया।

यात्रा के समापन के तुरंत बाद किशनगंज में पंचम कार्यकारी समिति की बैठक "लक्ष्य और आकलन" एवं सत्र २०१८-२० का पुरस्कार वितरण समारोह "अभिनंदन" आयोजित किया गया। इस अति महत्वपूर्ण बैठक में सम्मेलन और समाज से संबंधित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श हुआ जिसमें मुख्य रुप से जन गणना में मारवाड़ी समाज की जाति लिखाने और बिहार में बढ़ते अपराध को रोकने के संबंध में चर्चा की गई।

प्रादेशिक अध्यक्ष महेश जालान ने जदिया पंचायत की मुखिया श्रीमती अन्नु अग्रवाल, बहादुरगंज के पूर्व मुखिया पवन अग्रवाल,

ठाकुरगंज के पूर्व विधायक गोपाल अग्रवाल और चेयरमैन देवकी नंदन अग्रवाल, किशनगंज के पार्षद मनीष जालान और चेयरमैन आंची देवी जैन समेत अनेक जन-प्रतिनिधियों और बेहतर काम करने वाले सदस्यों और पदाधिकारियों को सम्मानित किया। निवर्तमान प्रादेशिक अध्यक्ष विनोद तोदी ने अपने सत्र के पुरस्कारों का वितरण किया।

झंझारपुर पंचायत को नगर परिषद् बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रमंडलीय उपाध्यक्ष अजय टीबड़ेवाल जी को उनके आवास पर जाकर वरीय उपाध्यक्ष प्रशासन श्री नीरज खेड़िया ने प्रादेशिक अध्यक्ष की ओर से "राम मनोहर लोहिया सम्मान" प्रदान किया।

इसी बीच चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा का परिणाम घोषित हो गया था। मारवाड़ी समाज के सफल प्रतिभागियों को स्थानीय शाखाओं के द्वारा "प्रतिभा पर्व २०२२ सीजन टू" के अंतर्गत उनके आवास व कार्यालय में जाकर बधाई और सम्मान दिया गया। अन्य प्रांतीय कार्यक्रम निरंतर जारी हैं।

बाकी अगले पृष्ठ पर

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के कार्यक्रमों की झलकियाँ

२१ जून २०२२ को उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, राईरंगपूर शाखा द्वारा श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, भारत के प्रस्तावित राष्ट्रपति कैंडीडेट का सम्मान उनके निजी निवास, राईरंगपूर में किया गया।

प्रादेशिक समाचार: बिहार शेषांश–

इधर आगामी सत्र के प्रादेशिक अध्यक्ष के निर्वाचन हेतु प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई। चुनाव समिति की प्रथम बैठक में नवंबर २०२२ में चुनाव कराने का निर्णय लिया गया।

दरभंगा शाखा के द्वारा पारस अस्पताल के सहयोग से नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। पटना नगर शाखा ने रथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए सेवा शिविर लगाया। आदापुर और हसनपुर शाखाों के द्वारा प्रांतीय कार्यक्रम "मरुधरा" के अंतर्गत स्थाई रुप से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए चापाकल लगाई गई। पुपरी शाखा ने शिवभक्त कांवड़ियों की सुविधा के लिए "नागेश्वर नाथ महादेव मंदिर" के पास सेवा शिविर का आयोजन किया।

२६ जून २०२२ को उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन संबलपुर शाखा द्वारा गरीब बच्चों में एक हॉकी टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्री गोविंद अग्रवाल, अध्यक्ष उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन।

२७ जून २०२२ को उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन संबलपुर शाखा द्वारा संबलपुर की नई कलेक्टर श्रीमती अनन्य दास का सम्मान करते हुये राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अशोक जालान, प्रांतीय महामंत्री श्री जयदयाल अग्रवाल के अलावा शाखा के अन्य पदाधिकारीगण।

४ जुलाई २०२२ को उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, बरगढ़ शाखा के साल २०२२-२४ के लिए नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री संदीप सावड़ीया का शपथ समारोह एवं पदाधिकारीगण।

९ जुलाई २०२२ को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, अंगुल शाखा द्वारा उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन अंगुल शाखा को एक लाइफ सेविंग मशीन मुक्त एंबुलेंस अनुदान के रूप में प्रदान की गई। जिसका अनावरण श्री रजनीकांत सिंह, उपाध्यक्ष ओडिशा विधान सभा और श्री गोविंद अग्रवाल अध्यक्ष उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा किया गया। इसमें सबसे मुख्य बात रही कि स्टेट बैंक तथा सरकार के नज़रिए में उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के सेवा कार्य पर विश्वास।

रथयात्रा महोत्सव पर दो दिवसीय शिविर संपन्न

०१ जूलाई २०२२ को उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, कटक शाखा एवं श्री श्याम परिवार कटक द्वारा पुरी में पवित्र रथयात्रा महोत्सव के अवसर पर आयोजित १४वां दो दिवसीय सेवा शिविर, उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय, प्रांतीय, शाखा पदाधिकारी, सदस्यों एवं कर्मठ कार्यकर्ताओं के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, शिविर के प्रथम दिवस में रथयात्रा की पूर्व संध्या पर आयोजित भजन संध्या में गणेश वंदना के द्वारा शिविर की शुरुआत हुई, जिसमें कटक से पधारे भजन गायक दिनेश जोशी, निर्मल पुर्वा, सुनील सांगानेरिया (पप्पु), यशवंत चौधरी, अंजनी कुमार अग्रवाल एवं अन्य भजन प्रवाहकों द्वारा उपस्थित सैकड़ों जगन्नाथ भक्तों के समक्ष हिंदी एवं ओड़िया भजनों से भक्तों की भीड़ को मंत्रमुग्ध कर दिया, इस कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष कपिल लाखोटिया, प्रांतीय अध्यक्ष नरेश अग्रवाल समेत कटक शाखा के कर्मठ कार्यकर्ता एवं युवा सदस्य उपस्थित थे, सम्मेलन द्वारा शिविर में आने वाले भक्तों को शर्बत का वितरण किया गया।

द्वितीय दिवस सुबह ६ बजे से ही कैंप में भक्तों के लिए उपमा, घुघनी, अन्न, दाल, सब्जी, हलवा, बिस्कुट, दही पानी, पेयजल आदि निःशुल्क वितरण करने का कार्यक्रम शुरू कर दिया गया, जो कि रात्रि ९ बजे तक निरंतर जारी रहा, इस अवसर पर सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका, उनकी धर्मपत्नी सुनीता हरलालका, सूचना तकनीक एवं वेबसाईट उपसमिति के चेयरमैन एवं पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष कैलाश पति तोदी, उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मधु तोदी, प्रांतीय अध्यक्ष गोविंदराम अग्रवाल, राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य राजेश पोद्दार उपस्थित थे, कटक शाखा के अध्यक्ष सुरेश कमानी, महासचिव दिनेश जोशी, कार्यकारी अध्यक्ष पवन तायल, जनसंपर्क अधिकारी निर्मल पुर्वा, उपाध्यक्ष सुभाष केडिया समेत अनेक पदाधिकारी एवं कर्मठ कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में उन्हें पुष्पगुच्छ, शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। प्रांतीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय पदाधिकारियों ने कटक शाखा को इस पावन पवित्र दिवस पर सम्मेलन द्वारा किए जा रहे, जनकल्याण, जनहित कार्य के लिए सम्मानित करते हुए एक स्मृति चिन्ह प्रदान कर अपना स्नेह, आशीर्वाद एवं सहयोग प्रदान किया।

गोविंद अग्रवाल को सामाजिक सेवा के लिए मिला सम्मान

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष ब्रजराजनगर के गोविन्द अग्रवाल को उनके विशेष सामाजिक सेवा के लिए डॉक्टरेट की मानद उपाधि से थियोपानी यूनिवर्सिटी के द्वारा दिल्ली में एक खास समारोह में दिया गया। यह यूनिवर्सिटी नॉर्थ अमेरिका के हाइती सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है। संस्थान द्वारा गुलमोहर इंडिया हैबिटेट सेंटर, न्यू दिल्ली में एक भव्य समारोह में गोविद अग्रवाल को उनके समाज सेवा में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया है।

समारोह में फॉर्मर आईपीएस (मध्य प्रदेश) वरुण कुमार जी, डायरेक्टर ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स (भारत सरकार) बाल्मिकी प्रसाद जी, फॉर्मर डॉयरेक्टर नेशनल इनफॉर्मेटिक सेंटर (भारत सरकार) मोनी मदस्वमी, फॉर्मर सीबीआई ऑफिसर एवं सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता श्रीमती नुपुर धमानिया जी तथा लंदन, युगांडा और हैती से भी अनेक हस्तियां शामिल थी।

मालूम हो की गोविंद अग्रवाल वर्तमान उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष है तथा उन्हें अध्यक्ष पद पर लगातार दूसरी बार चुना गया है यही नहीं श्री अग्रवाल ओडिशा में अनेक जगह एंबुलेंस, ऑक्सीजन सिलेंडर, अमृतधारा के लिए ठंडा प्याउ मशीन जैसे अनेक चीजे तथा अनेक तरह का सहयोग करते रहे हैं। इन्हीं सब सेवा कार्यों के लिए उन्हें इस सम्मान से सम्मानित किया गया है जो कि ब्रजराजनगर ही नहीं पूरे जिले के लिए गौरव का विषय है साथ ही उनके चाहने वालों में हर्ष व्याप्त है।

बांकुड़ा शाखा

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के बांकुड़ा शाखा द्वारा ७ नवम्बर २०२१ को संस्था का पेयजल के लिये कार्यक्रम निर्मल धारा की शुरुआत की गई इसके अन्तर्गत गोविंद नगर बस स्टैंड पर पानी की २ टंकियों को निर्मल धारा कार्यक्रम के तहत लगाई गयी इसके बाद १५ जून २०२२ को संस्था का निर्मल धारा प्रोजेक्ट के तहत ३ नंबर टंकी के पास ठंडे पानी की मशीन जो कि प्रादेशिक अध्यक्ष श्री नंद किशोर अग्रवाल की अपील पर ओंकारमल गोयनका जी की स्मृति में ओंकार चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा प्रदत की गई जो कि वार्ड नंबर २ बड़ा बाजार में स्थापित किया गया। बांकुड़ा नगरवासी एवं बांकुड़ा पहुँचने वाले लोग करीब १००० की संख्या में रोजाना इस सेवा का लाभ उठा सकेंगे। बांकुड़ा नगर पालिका का भी इसमें सहयोग मिला मुख्य रूप से मनीष क्वालिटी नगर पालिका अध्यक्ष आलोक सेन एवं वार्ड नंबर के पार्षद राजीब धार के अलावा बड़ी संख्या में अन्य वार्डों के पार्षद उपस्थित थे कार्यक्रम में राजीव खंडेलवाल, विक्रम गोयनका, दीपक राठी ने बहुत सहयोग दिया।

इसके पहले बांकुड़ा शाखा ने पिछले वर्ष स्वतंत्रता दिवस, छठ पूजा, दीपावली मिलन उत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह एवं इस वर्ष गणतंत्र दिवस समारोह का धूमधाम से पालन किया, ये ज्ञात रहे कि अक्टूबर २०२१ में श्री दिनेश सराफ जी अध्यक्ष निर्वाचित हुये एवं उनके प्रादेशिक अध्यक्ष श्री नंद किशोर अग्रवाल जी ने शपथ दिलवाई। उपरोक्त समारोहं में पूर्व अध्यक्ष सर्वश्री भगवती प्रसाद बाजोरिया, कमल बाज़ोरिया, डॉ. शम्भू नाथ सराफ, डॉ. सचिन शर्मा, विक्रम गोयनका, उमेश खंडेलवाल, मनोज बाजोरिया, केदारमल शर्मा, विष्णु हरि शाह, दिलीप अग्रवाल, नरेन्द्र शर्मा, सामावतार अग्रवाल, मनोज खटोड़, राकेश शर्मा, जयदीप नरसरिया के अलावा कोलकाता से पवन जालान एवं अनिल डालमिया जी भी उपस्थित थें।

गिरी प्रदक्षिणा में सेवा कार्य

विशाखापट्टनम् के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल "श्री वराह लक्ष्मी नृसिंह स्वामी देवस्थानम" सिम्हाचलम के देवस्थानम विभाग द्वारा प्रति वर्ष तीन प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किये जाते है जिसमें कल्याण महोत्सव, चंदन महोत्सव और सिम्हगिरी पर्वत की परिक्रमा है इन कार्यक्रमों को आयोजित करने से पहले देवस्थान विभाग एक सभा आयोजित करके भक्तों की सुविधा हेतु सामाजिक संस्थाओं को आह्वानित कर सेवा करने का मौका देती है। इन उत्सवों में आंध्र प्रदेश के अलावा, ओड़ीसा और अन्य प्रांतों के भक्तगण उपस्थित होकर सभी कार्यक्रमों में भाग लेते है इस वर्ष भी गुरु पूर्णिमा पर्व पर ३२ कि.मी. की गिरी प्रदक्षिणा

का आयोजन १२ व १३ जुलाई २०२२ को आयोजित किया गया जिसमें कई समाज सेवी संस्थाओं ने अलग-अलग तरह के स्टॉल पैदलयात्रियों की सुविधा के लिए रास्ते में चाय, पानी, बिस्कुट, दूध, जूस, ठेड़ा, फल, आहार पदार्थ, दवाईयाँ, पेन किल्लर व यात्रियों को पैरों की मालिश करने जैसी सेवाएँ दी। इस वर्ष पर्वत परिक्रमा

पूर्ण करने के उपरांत पहाड़ के ऊपर स्थित "श्री वराह लक्ष्मी नृसिंह स्वामी" मंदिर में दर्शन हेतु कतार में खड़े भक्तगणों की सेवा करने का मौका देवस्थानम विभाग ने आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन व मारवाड़ी सम्मेलन - विशाखापट्टनम् को दिया।

सभी लोगों ने मिलकर भक्तों के लिए जगह-जगह पानी के स्टॉल, गरमा गरम मसालेदार चाय के साथ बिस्कुट लगातार बिना रूके २४ घंटे की सेवा दी। देवस्थानम के पदाधिकारियों के साथ कार्यपालक पदाधिकारी एम.वी. सूर्यकलाजी अपने स्टॉल पर आने

पर हम लोगों ने उनका पारम्परिक रूप से स्वागत किया। इस परिक्रमा में करीबन ४ से ५ लाख भक्तगण पर्वत की परिक्रमा करते हुए दर्शन किये। देवस्थानम विभाग ने इस वर्ष के तीनों कार्यक्रम सम्पन्न होने के उपरांत १९ जुलाई २०२२ को श्रेष्ठ सेवाधारी सामाजिक संस्थाओं को सम्मानित करने का कार्यक्रम सभायोजित किया। इस सभा में देवस्थानम् की कार्यपालक पदाधिकारी एम.वी. सूर्यकलाजी ने आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नाम से प्रशंसा पत्र देकर हमें सम्मानित किया।

बधाई !

आन्ध्राप्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के उपाध्यक्ष महेंद्र कुमार तातेड के सुपुत्र चिरंजीव प्रियम तातेड़ ने एक बार फिर गोल्ड मेडल जीत कर हम सब का नाम रोशन किया है। सम्मेलन परिवार की तरफ से हार्दिक बधाई।

संस्कृति - ऋतु - चर्चा

आषाढ़ मास

हमारी संस्कृति में आषाढ़ मास को बेहद ही पवित्र और महत्त्वपूर्ण माना गया है। इस मास में वर्षा के आगमन एवं कई पर्वोत्सवों विशेषकर गुरु पूर्णिमा के होने से इस मास की महत्ता और बढ़ जाती है। समय की गणना एवं किसी कालखंड अथवा मास विशेष के मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का जितना सूक्ष्म विश्लेषम भारतीय पंचांग, ज्योतिष के ग्रंथों में किया गया है वैसा उदाहरण विश्व की किसी भी सभ्यता में संभव नहीं। महत्त्वपूर्ण तथ्य यह है कि भारतीय संस्कृति के ऐसे विलक्षण पहलू पूर्णरूपेण वैज्ञानिक आधार भी रखते हैं। इसी दृष्टि से यदि आषाढ़ मास का विश्लेषण किया जाए तो ज्ञान होता है कि साल के बारह महीनों में आषाढ़ मास का महत्व निराला है। भारतीय पंचांगों में चौथा महीना आषाढ़ कहलाता है। चैत्र, वैशाख और ज्येष्ठ की भीषण गर्मी के पश्चात् आषाढ़ वर्षा के आगमन, ऋतु परिवर्तन तथा ऋतु संधिकाल का प्रतीक भी है। आषाढ़ मास में ही जगन्नाथपुरी में रथ महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाता है जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की निराली-अनूठी पहचान बन चुका है। तमिल में आषाढ़ मास को 'अदि' भी कहा जाता है। सौर पंचांग के अनुसार सूर्य के कर्क राशि में प्रवेश से आषाढ़ मास का प्रारंभ होता है जबकि चंद्र पंचांग के हिसाब से कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा से आषाढ़ मास की शुरुआत होती है। इस मास के अधिष्ठात्र विष्णु स्वरूप वामन हैं। ऐसी मान्यता है कि जल नक्षत्र उत्तराषाढ़ के साथ इस मास की पूर्णिमा का विशेष संबंध है इसलिए इसे आषाढ़ नाम दिया गया है।

साहित्य में आषाढ़ मास

संस्कृत साहित्यिक समालोचना में आषाढ़ मास का अत्यन्त महत्त्व है। प्रायः इस मास का प्रयोग ऋतु वर्णन में आदि कवि से लेकर अर्वाचीन कवियों ने अपने महाकाव्यों, गीतिकाव्यों, गद्य-साहित्य एवं नाटकों में कर इसे अतीव गौरवान्वित मास माना है।

महर्षि वाल्मीकि ने रामायण के किष्किन्धा कांड में आषाढ़-मास के प्रारंभ में भगवान श्री राम के जनक नन्दनी की विरह में वर्षा ऋतु प्रवास का हृदय स्पर्शी वर्णन किया है। लौकिक साहित्य में आषाढ़ मास का सर्वाधिक वर्णन महाकवि कालिदास के विविध काव्यों यथा-रघुवंशम, कुमार सम्भवम, ऋतुसंहार, मेघदूत, अभिज्ञान शकुन्तलम में मिलता है एवं मेघदूत का तो प्रारंभ ही आषाढ़ मासस्य प्रथमे दिवसे से कर महाकवि ने इस मास को वियोग एवं संयोग शृंगार हेतु सर्वाधिक विशिष्ट मास की संज्ञा दी है।

महाकाव्य कुमारसंभवम में भी पार्वती जब वर्षा ऋतु में तपस्या प्रवृत्त होती हैं तब महाकवि ने पार्वती एवं प्रकृति के सौन्दर्य में सन्जुल साम्यता का वर्णन किया है। इसी प्रकार भवमूर्ति के एकमात्र नाटक उत्तरामचरित में भी अपहृत जानकी के वियोग से व्याकुल राम वर्षा ऋतु में साधारण जन के समान फूट-फूट कर रोए थे, उनकी इस मनोदशा से पत्थर भी द्रवित हो गए थे। आषाढ़ मास का ऐसा चित्रण साहित्य में निराला महत्त्व रखता है। महाकवि माध, भारवि, श्रीहर्ष के क्रमशः शिशुपाल वध, किरातार्जुनीयम नैषधीपरितम जैसे प्राचीन एवं पं. अम्बिकादत्त व्यास के शिवराजविजयम से अर्वाधीन साहित्य में वर्षा ऋतु के प्रथम मास आषाढ़-मास का न केवल प्रकृति चित्रण में अपितु श्रृंगार रस के दोनों पक्ष संयोग और वियोग श्रृंगार पर अपनी लेखनी द्वारा मनोहारी वर्णन कर इसे मार्मिक-अभिव्यंजक माना है।

चित्रकला एवं स्थापत्य कला में आषाढ़ मास

भारतीय चित्रकला की विभिन्न शैलियों जैसे मुगल, राजस्थानी, पहाड़ी, कांगड़ा शैलियों में बारहमासा, रागमाला, रसिप्रिया, नायक-नायिका नामक चित्रों में, भित्ति चित्रों में ऋतु वर्णन, प्रणय निवेदन के संदर्भ मे आषाढ़-मास का बड़ा सजीव चित्रण मिलता है। चित्रकारों ने चटकीले रंगों से आषाढ़ मास के प्राकृतिक सौन्दर्य, रिमझिम-रिमझिम वर्षा की सुहावनी फुहारों को श्रृंगार रस में लपेटकर अपनी तुलिकाओं से चित्रों पर सजीव ढंग से उकीर्ण कर दिखाया है।

आषाढ़- पावस फलदर्शक के रूप में

भारतीय ज्योतिष में आषाढ़ मास को वर्षा-के पूर्वानुमान के मास के रूप में आधार मास माना गया है। यह 'प्रावट काल' अथवा वर्षा के आरंभ का महीना है। यही कारण है कि आषाढ़ को ग्रीष्म-पावस के संधि मास की संज्ञा दी गई है। ज्योतिष, संहिताओं जैसे प्राचीन ग्रंथों में वर्षा विज्ञान के फलदर्शक के रूप में इसका गहन विश्लेषण किया गया है।

पताका से वायु परीक्षण की परंपरा

प्राचीन भारतीय वेधशालाओं में आषाढ़ी योग में पताका बांधकर वायु परीक्षण करने की तकनीक बताई गई है। ऋषि पाराशर के अनुसार यदि पूर्णिमा को पूर्व दिशा से वायु प्रवाह हो, तो इसे सुवृष्टि का शुभ संकेत माना जाता है। इसी प्रकार यदि अग्निकोण से वायु चले तो फसल की हानि, दक्षिण से वायु का प्रवाह हो, तो मध्यम वर्षा का सूचक है। यदि नैऋत्य, पश्चिम, वायव्य, उत्तर और ईशान दिशा से पवन चले तो क्रमशः फसल का विनाश, अच्छी वर्षा, वायु प्रकोप और फसल की वृद्धि का संकेत माना जाता है।

आषाढ़स्य सिते पक्षे नवम्या यदि वर्षाति।
वर्षत्मेव तदा देवस्तात्रावृष्टौ कुतो जलम्।।

अर्थात् यदि नवमी को वर्षा होती है तो इसे वर्षभर के लिए अत्यन्त शुभ संकेत माना जाता है। अन्यथा जल के दर्शन भी दुर्लभ होते हैं। इस स्थिति में अकाल का संकेत समझा जाना चाहिए।

आषाढ़ मास में स्वाति नक्षत्र के फल का परीक्षण

भारतीय ज्योतिष ग्रंथों में आषाढ़ मास के स्वाति नक्षत्र का परीक्षण कर वर्षा का पूर्वानुमान लगाया जाता है। इस विधान में दिन और रात्रि को तीज-तीन भागों में विभाजित किया जाता है। यदि रात्रि के प्रथम भाग में जिस क्षेत्र विशेष में वर्षा हो, तो उस क्षेत्र के सब धान्यों में वृद्धि का सूचक माना जाना चाहिए। दूसरे भाग में वर्षा होने पर तिल, मूंग, उड़द आदि में वृद्धि का

अनुमान लगाया जाता है। तीसरे भाग में वर्षा खरीफ की फसल अच्छी लेकिन रबी की फसल के कम होने का सूचक होता है।

आषाढ़: वर्षा के आगमन का सूचक

वर्षा ऋतु से जुड़े होने के कारण भारतीय जनमानस पर आषाढ़ का प्रभाव साफ नजर आता है। भारतीय अर्थव्यवस्था २१वीं सदी में भी मानसून पर टिकी है। अत: भारत में वर्षा के महत्त्व को कौन नहीं समझेगा। यह माह तप्त ज्येष्ठ मास के पश्चात् वर्षा की मीठी, सुगंधित फुहारों के लिए जाना जाता है। आषाढ़ लगते ही कृषक भाई आसमान पर काले बादलों की उम्मीद में नजरें टिकाने लगते हैं तो आम आदमी भी भीषण गर्मी से मुक्ति के लिए वर्षा का बेसब्री से इंतजार करता हैं। वर्षा की पहली फुहारें चेहरों पर नई रौनक उत्पन्न करती है। वर्षा के आगमन के साथ धरती पर हरियाली छाने लगती है। यह अमृत तुल्य वर्षा जीवनदान की तरह वरदान साबित होती है। किसान लोग खेतों की जुताई में लग जाते हैं। सबके जीवन में उमंग, जोश और उल्लास का संचरण होने लगता है। वर्षा का ऐसा उल्लास कवियों की कालजयी रचनाओं में खूब प्रस्फुटित हुआ है। पावस जनित उल्लास और आषाढ़ की मस्ती का वर्णन संस्कृत के महान कवि कालिदास की मेघदूत नामक कृति में देखते ही बनता है। प्रेम, सौन्दर्य और श्रृंगार इस आषाढ़ मास में हिलोरें लेने लगता है।

रथयात्रा महोत्सव

आषाढ़ शुक्ल पक्ष की द्वितीया से दशमी तक जगन्नाथपुरी में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली जाती है जो देश-विदेश में प्रख्यात है। इस नौ दिवसीय महोत्सव में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और बहन सुभद्रा को तीन अलग-अलग अलंकृत रथों में विराजमान कर श्री गुण्डिया मन्दिर ले जाया जाता है। दशमी के दिन भगवान की यात्रा वापस पुरी स्थित मूल मंदिर लौटती है।

आषाढ़ मास का धार्मिक महत्व

धर्मशास्त्रों में आषाढ़ मास में भगवान विष्णु की पूजा-उपासना का विशेष उल्लेख मिलता है। हरिभक्ति विलास ग्रंथ के अनुसार अकाल मृत्यु, असाध्य रोगों के निवारण, कल्याण और यथेष्ठ समृद्धि की प्राप्ति हेतु आषाढ़ मास में शालिग्राम स्वरूप विष्णु भगवान को जलशायी कर विभिन्न प्रकार के पुष्पों से उनकी पूजा-उपासना करने का विधान वर्णित है। इस कार्य से यम-यातना से मुक्ति मिलती है। विष्णु जी को जल का सृष्टा एवं जलप्रिय माना गया है, अत: जलस्थ विष्णु के पूजन से कुटुम्ब का कल्याण होता है। इस विधान से ज्ञात होता है कि प्राचीन काल में वर्षा न होने की स्थिति में शालिग्राम को जलशायी करने की परंपरा थी जो कालान्तर में शिवलिंग के साथ भी जुड़ गई।

आषाढ़ मास के प्रमुख पर्व-त्योहारों में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा महोत्सव, तो सर्वप्रमुख है ही इसके अतिरिक्त आषाढ़ कृष्ण पक्ष में कोकिला पंचमी, योगिनी एकादशी तथा शुक्ल पक्ष में विनायक चतुर्थी, स्कन्द पंचमी, कांसुबा षष्ठी (बंगाल), भीमाष्टमी, मडल्या नवमी, आशा दशमी, देव शयनी एकादशी, चौमासी चौदस और गुरु पूर्णिमा इत्यादि प्रमुख पर्व मनाए जाते है। धार्मिक दृष्टिकोण से इन सभी पर्वो व्रतों का खास महत्त्व है। इनमें से कुछ प्रमुख पर्वो का वर्णन निम्न प्रकार है :-

देवशयनी एकादशी

आषाढ़ शुक्ल पक्ष एकादशी पर मान्यता है कि इस दिन देवता शयन करना प्रारंभ करते हैं, अत: इस अवधि में समस्त शुभ कार्य वर्जित माने जाते हैं। कार्तिक मास में देवोत्थान एकादशी के दिन देवताओं का शयन समाप्त होता है, अत: शुभ कार्य पुन: प्रारंभ हो जाते हैं।

गुरु पूर्णिमा

आषाढ़ पूर्णिमा गुरु के प्रति श्रद्धा को समर्पित है। इस दिन लोग अपने गुरु को मिलन, भेंट, उपहार प्रदान कर अपनी कृतज्ञता प्रकट करते हैं।

योगिनी एकादशी

आषाढ़ के कृष्ण पक्ष की एकादशी का नाम योगिनी एकादशी है। इसे बड़े से बड़े पापों का नाश करने वाली माना गया है। भव सागर में डूबे प्राणियों के लिए इसे सारभूत व्रत माना गया है। इस पर्व से जुड़ी अंतर्कथा के अनुसार एक बार युधिष्ठिर ने भगवान कृष्ण से इस व्रत का माहात्म्य पूछा। तब श्री कृष्ण ने बतलाया कि अलकापुरी के शिव भक्त कुबेर ने अपने एक दास हेममाली को शिव पूजन हेतु पुष्प लाने भेजा किन्तु हेममाली अपनी सुन्दर पत्नी विशालाक्षी के सौन्दर्य में डूबकर कुबेर की आज्ञा का उल्लंघन कर बैठा। अत: कुबेर के शाप से हेममाली कोढ़ग्रस्त हो गया। कालान्तर में मुनिवर मार्केण्डेय ने हेममाली को योगिनी एकादशी के व्रत का सुझाव दिया। इस व्रत को करने से हेममाली शाप मुक्त हुआ। अत: इस व्रत को पाप विनाशक तथा पुण्य फलदायक माना गया है।

कोकिला व्रत

यह व्रत आषाढ़ी पूर्णिमा से प्रारंभ कर श्रावणी पूर्णिमा तक किया जाता है। इसे अखंड सौभाग्य का व्रत माना जाता है। इस व्रत में महिलाएं माँ गौरी का कोकिला के रूप में पूजन करती हैं। इस व्रत से भगवान शिव और सती की कथा जुड़ी हुई है। शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए सती ने तप किया और अंत में पार्वती के रूप में जन्म लेकर आषाढ़ कोकिला पूर्णिमा से एक मास का यह पावन व्रत किया। फलस्वरूप उन्हें भगवान शिव को पति के रूप में पाने में सफलता प्राप्त हुई।

जैन धर्म और आषाढ़ मास

जैन धर्म में चातुर्मास का प्रारंभ भी प्राय: आषाढ़ मास से होता है। जो कार्तिक मास के पूर्व पक्ष तक चलता है। जैन दर्शन में चातुर्मास आध्यात्मिक जागृति का पर्व माना जाता है।

आयुर्वेद और आषाढ़ मास

आयुर्वेद वात, चित्त और कफ के संतुलन को मानव जीवन का आधार मानता है। इस क्रम में आषाढ़ मास के विषय में आयुर्वेद का मत है कि इस माह में वर्षाजनित प्रभाव से मानव शरीर में वात का संतुलन बिगड़ जाता है। इससे शरीर की जैविक एवं पाचन क्रियाएं प्रभावित होती हैं। अत: इस मास में टायफाइड, डायरिया, मलेरिया, डेंगू जैसे रोगों के संक्रमण की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए इस समय खट्टा-नमकीन खाद्य पदार्थों से परहेज तथा उनके कम सेवन की सलाह दी जाती है। शुद्ध पेयजल पर अधिक जोर दिया जाता है।

देव-स्तुति

[गतांक से आगे]

– डॉ. जुगल किशोर सर्राफ

विप्रो मुखाद्ब्रह्म च यस्य गुह्यं
राजन्य आसीद्भुजयोर्बलं च।
ऊर्वोर्विडोजोऽङ्घ्रिरवेदशूद्रौ
प्रसीदतां नः स महाविभूतिः।।

ब्राह्मणगण तथा समस्त वैदिक ज्ञान भगवान् के मुख से उत्पन्न हुए, क्षत्रियगण तथा शारीरिक शक्ति उनकी भुजाओं से, वैश्यगण तथा उत्पादकता एवं धन सम्पदा सम्बन्धी उनका सक्षम उर्वर ज्ञान उनकी जाँघों से तथा वैदिक ज्ञान की सीमा से परे रहने वाले शूद्रगण उनकी चरणों से उत्पन्न हुए। ऐसे परम शक्तिशाली भगवान जो पराक्रम से पूर्ण हैं, हम पर प्रसन्न हों।

लोभोऽधरात्प्रीतिरुपर्यभूद्द्युति
र्नस्तः पशव्यः स्पर्शेन कामः।
भ्रुवोर्यमः पक्ष्मभवस्तु कालः
प्रसीदतां नः स महाविभूतिः।।

लोभ उनके निचले होंठ मे, प्रीति उनके ऊपरी होंठ से, शारीरिक कान्ति उनकी नाक से, पाशविक वासनाएँ उनकी स्पर्शेन्द्रियों से, यमराज उनकी भौंहों से तथा नित्यकाल उनकी पलकों से उत्पन्न होते हैं। वे भगवान हम सब पर प्रसन्न हों।

द्रव्यं वयः कर्म गुणान्विशेषं
यद्योगमायाविहितान्वदन्ति।
यद्दुर्विभाव्यं प्रबुधापवाधं
प्रसीदतां नः स महाविभूतिः।।

समस्त विद्वान् व्यक्ति कहते हैं कि पाँचों तत्त्व, नित्यकाल, सकाम कर्म, प्रकृति के तीनों गुण तथा इन गुणों से उत्पन्न भिन्न-भिन्न किस्में–ये सब योगमाया की सृष्टियाँ हैं। अतएव इस भौतिक जगत को समझ पाना अत्यन्त कठिन है, किन्तु जो लोग अत्यन्त विद्वान् हैं उन्होंने इसका तिरस्कार कर दिया है। जो सभी वस्तुओं के नियन्ता हैं ऐसे भगवान् हम सब पर प्रसन्न हों।

नमोऽस्तु तस्मा उपशान्तशक्तये
स्वाराज्यलाभप्रतिपूरितात्मने।
गुणेषु मायारचितेषु वृत्तिभि–
र्न सज्जमानाय नभस्वदूतये।।

हम उन भगवान् को सादर नमस्कार करते हैं, जो पूरी तरह शान्त, प्रयास से मुक्त तथा अपनी उपलब्धियों से पूरी तरह सन्तुष्ट हैं। वे अपनी इन्द्रियों द्वारा भौतिक जगत के कार्यों में लिप्त नहीं होते। निस्सन्देह, इस भौतिक जगत में अपनी लीलाएँ सम्पन्न करते समय वे अनासक्त वायु की तरह रहते हैं।

स त्वं नो दर्शयात्मानमस्मत्करणगोचरम्।
प्रपन्नानां दिदृक्षूणां सस्मितं ने मुखाम्बुजम्।।

हे भगवान्! हम आपके शरणागत हैं फिर भी हम आपका दर्शन करना चाहते हैं। कृपया अपने मूल रूप को तथा अपने मुस्काते कमल सदृश मुख को हमारे नेत्रों को दिखलाइये और अन्य इन्द्रियों द्वारा अनुभव करने दीजिये।

यथा हि स्कन्धशाखानं तरोर्मूलावसेचनम्।
एवमाराधनं विष्णोः सर्वेषामात्मनश्च हि।।

जब वृक्ष की जड़ में पानी डाला जाता है, तब वृक्ष का तना तथा शाखाएँ स्वत तुष्ट हो जाती हैं। इसी तरह जब कोई भगवान् विष्णु का भक्त बन जाता है, तो इससे हर एक की सेवा हो जाती है क्योंकि भगवान् हर एक के परमात्मा हैं।

नमस्तुभ्यमनन्ताय दुर्वितर्क्यात्मकर्मणे।
निर्गुणाय गुणेशाय सत्त्वस्थाय च साम्प्रतम्।।

हे भगवान्! हम आपको नमस्कार करते हैं क्योंकि आप नित्य हैं, काल की तीनों अवस्थाओं यथा भूत, वर्तमान और भविष्य की सीमा से परे हैं। आप अपने कार्यकलापों में अचिन्त्य हैं, आप भौतिक प्रकृति के तीनों गुणों के स्वामी हैं और समस्त भौतिक गुणों से परे रहने के कारण आप भौतिक कल्मष से मुक्त हैं। आप प्रकृति के तीनों गुणों के नियन्ता हैं, किन्तु इस समय आप सतोगुण में स्थित है। मैं आपको सादर नमस्कार करता हूँ।

श्रीब्रह्मोवाच
अजातजन्मस्थितिसंयमाया–
गुणाय निर्वाणसुखार्णवाय।
अणोरणिम्नेऽपरिगण्यधाम्ने
महानुभावाय नमो नमस्ते।।

यद्यपि आप अजन्मा हैं, किन्तु अवतार के रूप में आपका प्रकट होना तथा अन्तर्धान् होना सर्वदा चलता रहता है। आप सर्वदा भौतिक गुणों से मुक्त रहते हैं और सागर के समान दिव्य आनन्द के आश्रय हैं। अपने दिव्य स्वरूप में नित्य रहते हुए आप अत्यन्त सूक्ष्म से भी सूक्ष्म हैं। अतएव हम आपको जिनका अस्तित्व अचिन्त्य है, सादर नमस्कार करते हैं।

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

विशिष्ट संरक्षक सदस्य

श्री अशोक कुमार जे. मुँधड़ा
९, थोलासिंघम स्ट्रीट
सोंवकरपेट, चेन्नई - ६०००७९
तमिलनाडु
मो : ९४४४५०६२२७

श्री राज कुमार जालान
मे. श्री सती पाईप फिटिंग्स
१०/१९, वैनियर स्ट्रीट, ब्रोडवे
चेन्नई - ६००००१, तमिलनाडु
मो : ९८४०४११४१८

आजीवन सदस्य

श्री आलोक अग्रवाल एम.सी.एफ.४१४/सी, भूंड कालोनी, सेक्टर-२९, फरीदाबाद	**श्री विष्णु अग्रवाल** धरमगढ़, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री छत्तर पाल अग्रवाल** गोलमुंडा, कालाहांडी ओडिशा	**श्री घनश्याम शारदा** २१/ए, शेक्सपीयर सरणी कोलकाता	**श्री जगदीप धानुका** घनश्याम बिल्डींग, रुम नं.-७, सेवक रोड, कोलकाता
श्रीमती कवीता अग्रवाल गोलमुंडा, कालाहांडी ओडिशा	**श्रीमती कुसुमलता अग्रवाल** गोलमुंडा, कालाहांडी ओडिशा	**श्रीमती मनीषा अग्रवाल** धरमगढ़, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री मुकेश अग्रवाल** श्वेत राजपुर, सम्बलपुर ओडिशा	**श्रीमती पायल अग्रवाल** धरमगढ़, कालाहांडी, ओडिशा
श्री प्रदीप कुमार बंसल १३१, कॉटर स्ट्रीट, रूम नं.-१४, कोलकाता	**श्री प्रवीण कुमार अग्रवाल** गोलमुंडा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री रतन लाल अग्रवाल** धरमगढ़, कालाहांडी, ओडिशा	**श्रीमती रेणु अग्रवाल** गोलमुंडा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री रूपेश कुमार अग्रवाल** गोलमुंडा, कालाहांडी, ओडिशा
श्रीमती श्रुति मोहता ७, लायंस रेंज, द्वितीय तल, रूम नं.-४सी, कोलकाता	**श्री सुनील कुमार अग्रवाल** गोलमुंडा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री विजय प्रकाश लड्ढा** अरूणोदय मार्केट, पार्ली बैजनाथ, भीड़, महाराष्ट्र	**श्री अभिषेक अग्रवाल** महावीर चौक, समस्तीपूर बिहार	**श्री अभिषेक कुमार** मेन मार्केट, मधुबनी, बिहार
श्री अभिषेक कुमार जैन वार्ड नं. २, पू. चम्पारण, बिहार	**श्री अभिषेक कुमार टिबड़ेवाल** कटिहार, बिहार	**श्री आकाश बूबना** सोनैली बाजार, धर्मशाला रोड, कटिहार, बिहार	**श्री आकाश कुमार मित्तल** विशनगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री अमर मोदी** राजा बाजार, पू. चम्पारण, बिहार
श्री अमित कुमार मेन रोड, बैगनियाँ, सितामढ़ी, बिहार	**श्री अमित कुमार चौधरी** नाजिरपूर, अखाड़ाघाट मुजफ्फरपूर, बिहार	**श्री अमित कुमार क्याल** हजारीमल धर्मशाला रोड, लाल बाजार, प. चम्पारण, बिहार	**श्री अमित कुमार मित्तल** विशनपूर, किशनगंज बिहार	**श्री आनंद कुमार बूबना** सोनैली बाजार, सौनैली कटिहार, बिहार
श्री अनिल कुमार अग्रवाल सीमापूर बाजार, कटिहार, बिहार	**श्री अनिल कुमार बैरोलिया** स्टेशन रोड, मधुबनी, बिहार	**श्री अनिल कुमार सुरेका** मेन बाजार, समस्तीपूर, बिहार	**श्रीमती अनिता देवी जैन** थाना रोड, खड़ीक बाजार, भागलपूर, बिहार	**श्री अंकित कुमार अग्रवाल** बहादुरगंज, किशनगंज, बिहार
श्री अंशु कुमार अग्रवाल आदित्य पार्रस मॉल, बरिया, मुजफ्फरपूर, बिहार	**श्री अंशुमन कुमार अग्रवाल** अयोध्यागंज बाजार, कुरसेला कटिहार, बिहार	**श्री अनुज कुमार अग्रवाल** सीमापुर बाजार, कटिहार, बिहार	**श्री अरुण कुमार अग्रवाल** विशनपूर, किशनगंज, बिहार	**श्री अरूण कुमार जैन** स्टेशन रोड, वार्ड नं.-५ मधुबनी, बिहार
श्री अरविन्द कुमार सुल्तानियाँ मदुरापूर बाजार, विहपूर, भागलपूर, बिहार	**श्री आशीष कुमार सुल्तानियाँ** रोड नं. १४, मदुरापूर, विहपूर, भागलपूर, बिहार	**श्री अशोक कुमार चौधरी** कटकी बाजार, दरभंगा, बिहार	**श्री आशुतोष कुमार** मेन मार्केट, मधुबनी, बिहार	**श्री अतुल कुमार लाठ** थाना रोड, खड़ीक बाजार, भागलपूर, बिहार
डॉ. अविराल शाह सरायगंज, मुजफ्फरपूर, बिहार	**श्री आयुष सुरेका** मेन बाजार, समस्तीपूर, बिहार	**श्री बजरंग कुमार अग्रवाल** मदुरापूर बाजार, भागलपूर, बिहार	**डॉ. बजरंग प्रसाद शर्मा** समस्तीपुर, बिहार	**श्री बजरंग कुमार शर्मा** बहादुरगंज, झाँसीरानी चौक, किशनगंज, बिहार
श्री बनवारी लाल टिबड़ेवाल पंच मंदिर रोड, मोतिहारी, पू. चम्पारण, बिहार	**श्री भरत कुमार भंसाली** विशानगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री भिखम अग्रवाल** बालाजी कम्पलेक्स, बहादुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री बिमल अग्रवाल** विशनपूर, किशनगंज, बिहार	**श्री चंद्र किशोर भरतिया** हनुमान मंदिर के पास, कटिहार, बिहार
श्री दीपक कुमार राज कम्पाउंड, प. चम्पारण, बिहार	**श्री दीपक कुमार** मेन रोड, पू. चम्पारण, बिहार	**डॉ. दीपक कुमार जैन** एम.आई.टी.पूर्वी गेट के पास, मुजफ्फरपूर, बिहार	**श्री दीपक सुरेका** मेन रोड, वार्ड नं.-११ मधुबनी, बिहार	**श्री दिलीप कुमार** जनपूल स्टेशन सेड, पू. चम्पारण, बिहार
श्री दिलीप कुमार सोंथलिया मदुरापूर बाजार, भवानीपूर, विहपूर, भागलपूर, बिहार	**श्री दिनेश कुमार जाँगीर** मेन रोड, मधुबनी, बिहार	**श्री गौरव अग्रवाल** चीनी मिल चौक, बिथान रोड, समस्तीपूर, बिहार	**श्री गिरधारी कुमार सराफ** मेन रोड, मधुबनी, बिहार	**श्री गोपाल प्रसाद अग्रवाल** एल.आर.पी. चौक, बहादुरगंज, किशनगंज, बिहार
श्री गोपाल शर्मा बहादुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री गोविन्द प्रसाद बैरोलिया** वार्ड नं.-२, मधुबनी, बिहार	**श्री हनीश अग्रवाल** कुरसेला, अयोध्यागंज बाजार, कटिहार, बिहार	**श्री हनुमान प्रसाद मोर** वार्ड नं. ८, मधुबनी, बिहार	**श्री जगदीश कुमार लाठ** थाना रोड, खड़ीक बाजार, भागलपूर, बिहार
श्री जयंत जैन विशनपूर, किशनगंज, बिहार	**श्री जितेश कुमार** सीमापूर बाजार, वार्ड नं.-१३ थाना, कटिहार, बिहार	**श्री जुगल किशोर अग्रवाल** सीमापूर, कटिहार, बिहार	**श्री कमल कुमार अग्रवाल** मेन रोड, शहीद चौक, वार्ड नं.-९, मधुबनी, बिहार	**श्री कशीश कुमार केडिया** मंगल बाजार, औरंगाबाद, बिहार

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्री केशव केजरीवाल चाँदनी चौक मार्केट, फ्रेजर रोड, पटना, बिहार	**श्री किशन कुमार अग्रवाल** टावर चौक, दरभंगा, बिहार	**श्री किशोर कुमार टिबड़ेवाल** सीमापूर, कटिहार, बिहार	**श्री कृष्णा राजगढ़िया** मेन रोड, लोहापट्टी, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री कुणाल अग्रवाल** राजा बाजार, पू. चम्पारण, बिहार
श्री महेश मोर मेन रोड, बहादुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्रीमती ममता देवी** ब्लाक रोड, हसनपूर रोड, समस्तीपूर, बिहार	**श्री मनोज कुमार बूबना** पंचमंदिर रोड, पू. चम्पारण, बिहार	**श्री मयंक सुन्दरका** वार्ड नं.-१०, गुदरी रोड, चकमहिला, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री नारायण अग्रवाल** बहादुरगंज, झांसी रानी चौक, किशनगंज, बिहार
श्री नवीन कुमार बंसल सीमापूर बाजार, कटिहार, बिहार	**श्री नीरज अग्रवाल** किशनगंज, बिहार	**श्री निर्मल कुमार जैन** मदुरापूर, नारायणपूर, विहपूर, भागलपूर, बिहार	**श्री नितेश कुमार टिबड़ेवाल** चुनीहारी टोला, भागलपूर, बिहार	**श्री नोश अग्रवाल** बहादुरगंज, किशनगंज, बिहार
श्री पवन अग्रवाल बहादुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री पवन केजरीवाल** हेनरी बाजार, पू. चम्पारण, बिहार	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** सीमापूर बाजार, कटिहार, बिहार	**श्री पवन सिंघानिया** विशनपूर, किशनगंज, बिहार	**श्री प्रभात कुमार केडिया** मेन बाजार, समस्तीपूर, बिहार
श्री प्रदीप कुमार लाठ खड़ीक बाजार, भागलपूर, बिहार	**श्री प्रदीप कुमार जैन** खड़ीक बाजार, भागलपूर, बिहार	**श्री प्रकाश बंका** गुदड़ी रोड, समस्तीपूर, बिहार	**श्री प्रकाश चन्द्र केडिया** वार्ड नं.-७, मेन बाजार, समस्तीपूर, बिहार	**श्री प्रवीन कुमार गोयल** चीनी मिल चौक, समस्तीपूर, बिहार
श्री प्रितम सुल्तानियाँ (पिन्टु) मदुरापूर बाजार, विहपूर, भागलपूर, बिहार	**श्रीमती प्रिती अग्रवाल** सीमापूर, कटिहार, बिहार	**श्री राहुल टिबड़ेवाल** स्टेशन रोड, मधुबनी, बिहार	**श्री राज कुमार अग्रवाल** मेन रोड, बस स्टैंड, बहादुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री राजीव कुमार अग्रवाल** सीमापूर, कटिहार, बिहार
श्री राजेन्द्र खेतावत विशनपूर, किशनगंज, बिहार	**श्री राजेन्द्र प्रसाद केजरीवाल** झंझारपूर, नगर पंचायत, वार्ड नं.-५, मधुबनी, बिहार	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** बहादुरगंज, वार्ड नं.-११ किशनगंज, बिहार	**श्री राजेश कुमार बूबना** सोनैली बाजार, कटिहार, बिहार	**श्री राजेश कुमार लोहिया** सब्जी मार्केट, मधुबनी, बिहार
श्री राजेश कुमार शर्मा सब्जी मंडी रोड, मधुबनी, बिहार	**श्री राजेश कुमार टेकरीवाल** लालबाग, दरभंगा, बिहार	**श्री रजनीश कुमार बंका** मेन बाजार, समस्तीपूर, बिहार	**श्री राजु कुमार खटोर** शाहपूर पटोरी, समस्तीपूर, बिहार	**श्री राकेश बूबना** सोनैली बाजार, कटिहार, बिहार
श्री राम कुमार अग्रवाल बहादुरगंज, विशनपूर रोड, किशनगंज, बिहार	**श्री रामचन्द्र प्रसाद बंका** देवरान भवन, बैंक रोड, सुतापट्टी, मुजफ्फरपूर, बिहार	**श्री रमेश कुमार अग्रवाल** कटिहार, बिहार	**श्री रवि कुमार केडिया** जनपौल, स्टेशन रोड, पू. चम्पारण, बिहार	**श्री रविकृष्णा लोहिया** मेन रोड, पू. चम्पारण, बिहार
श्री ऋषभ अग्रवाल लाठ अयोध्यागंज, कटिहार, बिहार	**श्री रोशन कुमार डोकानियाँ** थाना-विहपूर, भागलपूर, बिहार	**डॉ. रूपा शाह** सरायगंज, मुजफ्फरपूर, बिहार	**श्री सज्जन अग्रवाल** बहादुरगंज, ठाकुरबाड़ी रोड, किशनगंज, बिहार	**श्री सज्जन बंसल** विशनपूर, किशनगंज, बिहार
श्री शाकेत मित्तल गांधी चौक, किशनगंज, बिहार	**श्री सम्बीत कुमार अग्रवाल** कुरसेला चौक, अयोध्यागंज, कटिहार, बिहार	**श्री संदीप कुमार बंका** मेन बाजार, समस्तीपूर, बिहार	**श्री संदीप लोहिया** मेन रोड, पू. चम्पारण, बिहार	**श्री संजय कुमार गुप्ता** सीमापूर बाजार, कटिहार, बिहार
श्री संजय राम लोहिया मदुरापूर, लोहिया भवानीपूर, बिहार	**श्री संजीव कुमार अग्रवाल** कुरसेला चौक, कटिहार, बिहार	**श्री संतोष सिंघानियाँ** कुँवर सिंह चौक, वार्ड नं.-२ मधुबनी, बिहार	**श्री शंकर प्रसाद लोहिया** शाहपूर पटोरी, समस्तीपूर, बिहार	**श्री शिव दयाल सोमानी** शाहपुर पटोरी, समस्तीपूर, बिहार
श्री श्रवण कुमार मोदी मेन रोड, लोहापट्टी, पू. चम्पारण, बिहार	**श्री श्याम जैन** हेनरी बाजार, पू. चम्पारण, बिहार	**श्री श्याम रूँगटा** लाल बाजार, पू. चम्पारण, बिहार	**डॉ. सिद्धार्थ नयानी** मुजफ्फरपूर, बिहार	**श्री सौरभ कुमार जैन** थाना रोड, खड़ीक बाजार, भागलपूर, बिहार
श्री सुभाष बिजराजका न्यु मार्केट, सरायगंज, मुजफ्फरपूर, बिहार	**श्री सुधीर कुमार अग्रवाल** बजरंग काम्पलेक्स, मेन रोड, पू. चम्पारण, बिहार	**श्री सुमित गोयल** मंगल बाजार, बैंक रोड, औरंगाबाद, बिहार	**श्री सुमित कुमार अग्रवाल** विशनपूर, किशनगंज, बिहार	**श्री सुनील अग्रवाल** मेन रोड, पू. चम्पारण, बिहार
श्री सुनील कुमार बूबना सोनैली बाजार, रेलवे गुमटी, कटिहार, बिहार	**श्री सुनील कुमार जैन** विशनपूर, किशनगंज, बिहार	**श्री सुनील कुमार लाठ** थाना रोड, खड़ीक बाजार, भागलपूर, बिहार	**श्री सुरेश कुमार बंका** गोला घर, समस्तीपूर, बिहार	**श्री सुशील गर्ग** बहादुरगंज, किशनगंज, बिहार
श्री सुशील कुमार अग्रवाल विशनपूर, किशनगंज, बिहार	**श्रीमती स्वेता नथानी** आदित्य परोस मॉल मुजफ्फरपूर, बिहार	**श्री तारकेश्वर नाथ केडिया** पैधान पट्टी, नीचा गंजा चौक, पू. चम्पारण, बिहार	**श्री उमेश मोहता** हेनरी बाजार, मोतीहारी, पू. चम्पारण, बिहार	**श्रीमती वंदना देवी** खड़ीक बाजार, भागलपूर, बिहार
डॉ. वर्षा ओरिएंट क्लब के नजदीक आमगोला, मुजफ्फरपूर, बिहार	**श्री विकाश चिरानियाँ** पोस्ट आफिस रोड, भागलपूर, बिहार	**श्री विकाश टिबड़ेवाल** सीमापूर, कटिहार, बिहार	**श्री विमल बड़दीया** मेन रोड, बहादुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री विमल राजगढ़िया** जनपौल, पू. चम्पारण बिहार
श्री विनीत अग्रवाल विशनपूर, किशनगंज, बिहार	**श्री विशाल कुमार केडिया** सीमापूर बाजार, कटिहार, बिहार	**श्री विश्वम्भर लाल केडिया** रिलायंस मॉल के सामने मधुबनी, बिहार	**श्री विवेक अग्रवाल** घाट नवादा, केशान मार्केट, समस्तीपूर, बिहार	**श्री यमुना कुमार सीकरिया** राधा नगर, पू. चम्पारण, बिहार
श्री योगेन्द्र कुमार अग्रवाल मेन रोड, बहादुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री मनीष कमलिया** वारिसलीगंज, नवादा, बिहार	**श्री पवन बंका** वारिसलीगंज, नवादा, बिहार	**श्री आदित्य कुमार लच्छीरामका** बरवा रोड, मधुपूर, देवघर, झारखंड	**श्री अमर नाथ डालमिया** काली झंडा रोड, देवघर, झारखंड

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED (RKFL) is India's Second biggest and leading Integrated Forging cum Machining Company. RKFL have Closed Die Forging Hammers, Upsetters, Ring Rolling & Press Lines from 2000 to 12500 Tons. RKFL is a supplier of major OEM's, Tier 1, suppliers globally for Automotive, Mining, Earth Moving, Oil & Gas, Railways and General Engineering Industries.

The Company is accredited with IATF 16949, ISO 14001 (EMS), OSHAS 18001, AS9100D and Testing Laboratories are NABL accredited (ISO/IEC 17025:2005). Its Corporate Office is located is Kolkata & Facilities are in Jamshedpur.

RKFL's product is exported to North America, South America, Europe, Australia, UK, Turkey and Asian Countries.

Regd. & Corporate Office:

23, Circus Avenue, 9th Floor,
Kolkata – 700 017, West Bengal, India.
Office phone : +(91) 033 4082 0900 / 7122 0900
Email – info@ramkrishnaforgings.com
Web site – www.ramkrishnaforgings.com

Overseas Office at:

Detroit-USA, Toluca-Mexico, Istanbul-Turkey.

Plants at:

Plant I, III, IV, V, VI & VII at Jamshedpur, India
Plant: II at Liluah, Howrah, India

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2021-2023
Date of Publication - 30th July 2022
RNI Regd. No. 2866/1968

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com